पटना ●मंगलवार, 24 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः254 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

अपराधियों के विरुद्ध मोतिहारी एसपी... 3 www. bordernewsmirror.com एक्शन-हल्क बेलमकोंडा... 8

कैसे मरे हुए शख्स' ने किया मर्डर, फिर 20 किमी पैदल चला...हैरतअंगेज खुलासा

जिस आदमी की सिरकटी लाश खेत में मिली, वो कौन था फिर ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तारीख थी 17 दिसंबर 2022, वक्त सुबह के लगभग 6 बजे और जगह महाराष्ट्र में पुणे का चारहोली गांव। गांव के कुछ लोगों को खेत में एक लाश मिलती है। ये लाश खेत जोतने वाले रोटावेटर में फंसी थी और क्षत-विक्षत हो चुकी थी। धड़ के ऊपर से सिर भी गायब था। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचती है और कपड़ों की पहचान से पता चलता है कि ये लाश गांव के किसान सुभाष उर्फ केरबा छबन थोरवे की है।

जिस रोटावेटर में लाश फंसी हुई मिली वो सुभाष का ही था, जिसे वह गांव के दूसरे किसानों को भी किराए पर दिया करते थे। शुरुआत में पुलिस ने माना कि खेत जोतते समय गलती से सुभाष रोटावेटर के ऊपर गिर गए होंगे, जिससे उनकी मौत हो गई। बाद में कोई जंगली जानवर उनके सिर को ले गया होगा।

22 दिसंबर को सभा और 23 को जिंदा

चार दिन बाद 22 दिसंबर 2022 को इंद्रायणी नदी के किनारे सुभाष की शोक सभा रखी गई, जिसमें बड़ी संख्या

में लोग शामिल हुए। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सुभाष की तस्वीर वाले बैनर पर लिखा था, 'आपकी प्यारी यादों की सुगंध हमेशा हम लोगों के साथ रहेगी'।

लेकिन, अगले ही दिन 23 दिसंबर की रात को गांव में खबर फैली कि सुभाष जिंदा है। उसे सामने देखकर उसकी चचेरी बहन ने भूत-भूत चिल्लाना शुरू कर दिया।

खबर पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जब हकीकत का खुलासा हुआ, तो गांव के लोगों की रूह कांप गई। दरअसल, सुभाष ने अपनी हत्या का नाटक किया था। अब सवाल था कि उसने ऐसा क्यों किया? और अगर सुभाष जिंदा है, तो जिस आदमी की सिरकटी लाश खेत में मिली, फिर वो कौन था?

पुलिस ने सुभाष से पूछताछ की और आखिरकार पूरी कहानी खुलकर सामने आ गई।

कैसे दिया हत्या को अंजाम

सुभाष को कुछ दिन पहले ही इस खेत को जोतने का काम मिला था। सुभाष और घेनंद ने रात करीब 9 बजे तक खेत की जुताई की। इसके बाद घेनंद ने शराब पी और नशे में पूरी तरह धुत हो गया। सुभाष को इसी मौके का इंतजार था। उसने घास काटने वाली दरांती से घेनंद का सिर काट दिया। कत्ल के बाद उसने लाश के ऊपर अपने कपड़े डाले और कटे हुए सिर को घेनंद के कपड़ों और दरांती के साथ एक सूखे कुएं में फेंक दिया। अब सुभाष ने घेनंद की लाश को रोटावेटर से क्षत-विक्षत कर दिया। उसे मारने के बाद सुभाष रात के अंधेरे में बिना कपड़ों के ही निकल पड़ा। रास्ते में उसने कुछ लोगों से पेंट और शॉल मांगकर पहने और सीधा अपनी प्रेमिका के घर पहुंच गया। इसके बाद ये दोनों जेजुरी इलाके में चले गए और अगले तीन दिन तक यहीं रहे। बातों-बातों में सुभाष ने अपनी प्रेमिका को मर्डर की बात बता दी।

प्रेमिका के संग भागने को रची साजिश

58 साल के सुभाष उर्फ केरबा छबन थोरवे की पत्नी दो साल पहले 2020 में खुदकुशी कर चुकी थी। पत्नी के जाने के बाद सुभाष का अफेयर गांव की ही एक दूसरी महिला के साथ हो गया। चूंकि, सुभाष का परिवार था और सार्वजनिक तौर पर वो उस महिला के साथ नहीं रह सकता था, इसलिए उसने एक प्लान बनाया। प्लान था खुद को मरा हुआ बताकर अपनी प्रेमिका के साथ कहीं दूर दूसरी जिंदगी शुरू करने का। सुभाष की दोस्ती पड़ोस के धनोरे गांव में रहने वाले 48 वर्षीय रवींद्र घेनंद से थी। घेनंद के पास अपनी खेती की जमीन थी लेकिन वो ड्राइवर के तौर पर काम करता था। घेनंद को शराब पीने की भी लत थी। 16 दिसंबर को सुभाष क्रिकेट का मैच दिखाने के बहाने घेनंद को अपने ट्रैक्टर पर बिठाकर पास के गांव ले गया। वापसी में उसने शराब की बोतल खरीदी और दोनों एक खेत में आ गए।

97वें ऑस्कर अवॉर्ड-फॉरेन फिल्म कैटेगरी में किरण राव की 'लापता लेडीज'

29 फिल्में रेस में थीं, अब तक 3 फिल्में नॉमिनेट हुईं थीं, किसी को अवॉर्ड नहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई फिल्म 'लापता लेडीज' को 97वें ऑस्कर अवॉर्ड-2025 के फॉरेन फिल्म कैटेगरी में भारत की ओर से ऑफिशियल एंट्री मिली है। आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी इस फिल्म को किरण राव ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में रवि किशन, स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा और नितांशी गोयल ने मुख्य भूमिका निभाई है।

फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन जाह्नु बरुआ ने 23 सितंबर, सोमवार को यह घोषणा की। उन्होंने बताया, फॉरेन फिल्म कैटेगरी में 29 फिल्में रेस में थीं। इनमें विक्की कौशल की सैम बहादुर, रणबीर कपूर की एनिमल और कार्तिक आर्यन की चंदू चैम्पियन प्रमुख थीं। 13 सदस्यों की ज्यूरी ने लापता लेडीज को चुना।

तिरुपति लड्डू विवाद-

तिरुपति मंदिर की शुद्धि के लिए महाशांति यज्ञ कर शुद्धिकरण हुआ

● प्रसाद बनाने वाली रसोई को दूध-दही और गोमूत्र से शुद्ध किया

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) की शुद्धि के लिए महाशांति यज्ञ किया गया। सोमवार को सुबह 6 से 10 बजे तक चले पंचगव्य प्रोक्षण (शुद्धिकरण) में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के अधिकारी समेत 20 पुजारी शामिल हुए। अनुष्ठान में लड्डू और अन्नप्रसादम रसोई की पंचगव्य शुद्धि की गई।

आंध्र के सीएम सीएम चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने 18 सितंबर को आरोप लगाया कि राज्य में YSR कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डू (प्रसादम्) में जानवरों की चर्बी वाला घी और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि का दावा किया।

इधर, श्री ललिता पीठम, वशिष्ठाश्रम,

श्रीनिवास मंगापुरम में विश्व हिंदू परिषद बैठक चल रही है। इस बैठक में मंदिरों को सरकारी कंट्रोल से आजादी दिलाने और धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर भी चर्चा की जा रही है।

राज्य सरकार ने तिरुपति मंदिर के लड्?डुओं की जांच के लिए एसआईटी बना दी है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

पुजारी बोले- अब मंदिर पूरी तरह शुद्ध, प्रसाद घर ले जा सकते हैं

मंदिर के मुख्य पुजारियों में से एक कृष्ण शेषाचल दीक्षितुलु कहते हैं, सरकार एक प्रस्ताव लेकर आई कि मंदिर को शुद्ध करने के लिए क्या किया जाए। इसलिए, हम शांति होम करने के प्रस्ताव के साथ प्रबंधन के पास गए। सुबह 6 बजे हम सभी भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद और अनुमति लेने के लिए गर्भगृह में गए। अब सब कुछ शुद्ध हो गया है, मैं सभी भक्तों से अनुरोध करता हूं कि उन्हें अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। भगवान बालाजी के दर्शन करें और प्रसाद घर ले जाएं।

सुप्रीम कोर्ट बोला

चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना अपराध

● मद्रास हाईकोर्ट का फैसला पलटा, कहा- अदालतें इस शब्द का इस्तेमाल भी न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पास्को और आईटी एक्ट के तहत अपराध है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैसला सुनाया।

मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि नीयत इसे प्रसारित करने की न हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कंटेंट का स्टोरेज, इसे डिलीट ना करना और इसकी शिकायत ना करना बताता है कि इसे प्रसारित करने की नीयत से स्टोर किया गया है। हाईकोर्ट ने ये केस खारिज करके अपने फैसले में गंभीर गलती की है। हम उसका फैसला रद्द करते हैं और केस को वापस सेशन कोर्ट भेजते हैं।

कोलकाता हाईकोर्ट ने कहा

सरकार दुर्गा पूजा कमेटियों को 10 लाख दे

ये पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक विरासत, अभी मिल रही 85 हजार की रकम मामूली

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार (23 सितंबर) को ममता सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि दुर्गा पूजा पंडालों के लिए सरकार की तरफ से मिलने वाली 85000 रुपए की रकम मामूली है।

आयोजकों का इससे कई गुना तो खर्च हो जाता होगा। सरकार को कम से कम हर दुर्गा पूजा समिति को 10 लाख रुपए की रकम देने पर विचार करना चाहिए।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टी एस शिवगनम और जस्टिस बिवास पटनायक की बेंच दुर्गा पूजा आयोजकों को दी जाने वाली राशि पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

याचिकाकर्ता की दलील थी कि पूजा समितियों को मिलने वाली सहायता राशि का कोई हिसाब-किताब नहीं होता। ऐसे में उन्हें ये आर्थिक मदद देनी बंद करनी चाहिए।

● पूजा समितियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य की तरफ से राशि बांटनी चाहिए

चीफ जस्टिस टी एस शिवगनम ने कहा कि उन्होंने पिछले दो सालों में कई दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा किया। उन्हें लगता है कि आयोजन में जितना खर्च हो जाता है, उसकी तुलना में 85,000 रुपए कुछ भी नहीं हैं। हालांकि पूजा समितियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य की तरफ से राशि बांटनी चाहिए, क्योंकि दुर्गा पूजा राज्य की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

जयपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में हुई बड़ी चूक, घेरा तोड़कर मिलने पहुंचा 10वीं का स्टूडेंट

जयपुर (एजेंसी)। राजधानी जयपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया । दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने आए थे। इस दौरान ऐसा क्या हुआ कि रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक हो गई । बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने के बाद एयरपोर्ट के लिए रवाना हो रहे थे। इसी बीच अचानक ही एक बालक सुरक्षा घेरा तोड़कर राजनाथ सिंह के पास पहुंच गया । हालांकि इस दौरान सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता काम आई और सुरक्षाकर्मियों ने छात्र को उठाकर बाहर की ओर धकेल दिया । लेकिन राजनाथ सिंह ने सादगी दिखाते हुए छात्र को अपने पास बुलाया और छात्र की पूरी बात सुनी ।

मदरसे को जमीन आवंटन के विरोध में उतरे ग्रामीण

● हनुमान चालीसा का पाठ किया, राम धुन गाई; 1 किमी लंबी रैली निकाली, बाजार बंद रखे

उदयपुर (एजेंसी)। पिछली कांग्रेस सरकार में मदरसे को आवंटित जमीन को लेकर सर्व समाज ने उदयपुर के मावली में धरना-प्रदर्शन किया। पुराने बस स्टैंड पर 6 गांवों से आए लोग इकट्ठा हुए राम धुन गाई और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद 1 किमी लंबी रैली निकाल कर उदयपुर से आए अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्र सिंह राठौड़ को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मावली और आसपास के इलाकों में व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रखे। साथ ही स्कूलों को भी बंद रखा गया। इस प्रदर्शन में चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी भी पहुंचे।

राहुल गांधी बोले-56 इंच की छाती वाले पीएम पहले जैसे नहीं

मोदी के आत्मविश्वास में कमी आई, यह लोकसभा में साफ दिखता है

श्रीनगर (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा- भाजपा वाले बांटने का काम करते हैं। जहां भी जाते हैं, एक जात को दूसरी जात से, एक धर्म को दूसरे धर्म से बांटते हैं।

विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। राहुल ने सुरनकोट में कहा- पीएम मोदी के आत्मविश्वास में कमी आई है। आज उनसे जो भी विपक्ष कराना चाहता है, वह कराता है। भाजपा भाई-भाई को लड़वाती है।

जो 56 इंच की छाती वाले नरेंद्र मोदी पहले थे, अब वे वैसे नहीं हैं। लोकसभा में उनके सामने खड़ा होता हूं। मुझे साफ दिखता है कि उनका आत्मविश्वास खत्म हो गया है। वे कानून लाते हैं, हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं, वे कानून पास नहीं कर पाते हैं।सुरनकोट के बाद राहुल श्रीनगर के शाल्टेंग निर्वाचन क्षेत्र में भी रैली करेंगे। यहां वे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा के लिए समर्थन मांगेंगे।

बिजली गिरने से स्कूली बच्चे समेत 8 लोगों की मौत

छत्तीसगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई है तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मृतकों में कुछ स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के सोमनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जोरातराई गांव में आज अपराह्न करीब डेढ़ बजे आकाशीय बिजली गिरने से कुछ स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।राजनांदगांव जिले के पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने कहा, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बिजली गिरने से कुछ स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा, एक व्यक्ति के घायल होने की खबर है।

इजराइल ने लेबनान पर 300 मिसाइल दागीं

182 की मौत, 4 दिन में 900 स्ट्राइक कीं

बेरूत (एजेंसी)। इजराइल ने सोमवार, 23 सितंबर को पूरे लेबनान में 300 से ज्यादा मिसाइल दागीं। इस हमले में 182 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 700 से ज्यादा लोग घायल हैं। हमले के बाद लेबनान में दो दिन के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। लोग सुरक्षित जगहों पर जाते देखे गए। इस वजह से कई शहरों में ट्रैफिक जाम की स्थिति हो गई है। इजराइल का यह लगातार चौथे दिन मिसाइल हमला है। लेबनान के शहरों पर 900 से ज्यादा मिसाइल दागीं गई, जिनमें अब तक 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

आतिशी ने सीएम का पदभार ग्रहण किया, कुर्सी खाली छोड़ी

कहा- जैसे भरत ने खड़ाऊं रखकर सिंहासन संभाला, मैं दिल्ली संभालूंगी

भाजपा बोली- चापलूसी नहीं, काम करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार (23 सितंबर) को पदभार संभाल लिया। वह सुबह 12 बजे ष्टरूऑफिस पहुंची और औपचारिकताएं पूरी कीं। इस दौरान आतिशी ने सीएम ऑफिस में एक खाली कुर्सी छोड़ी दी और खुद दूसरी कुर्सी पर बैठीं।

आतिशी ने कहा- जैसे राम के वनवास जाने के बाद भरत ने खड़ाऊं रखकर अयोध्या का सिंहासन संभाला, मैं उसी तरह दिल्ली सीएम की कुर्सी संभालूंगी। 4 महीने बाद दिल्ली के लोग केजरीवाल को फिर से इसी कुर्सी पर बैठाएंगे। दिल्ली भाजपा बोली चापलूसी नहीं काम करे।

राजमिस्त्री की गोली मार हत्या, शव झाड़ी में फेंका, घटनास्थल से शराब और सोडा बरामद

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा शहर में युवक की गोली मार बदमाशों ने हत्या कर दी। लाश इब्राहिम नगर के सुनसान इलाके से बरामद हुआ है। बाएं साइड गर्दन में काफी नजदीक से गोली मारी गई है। मृतक टाउन थाना क्षेत्र के इब्राहिम नगर मोहल्ला निवासी छबीला महतो का 27 वर्षीय बेटा शशिकांत महतो है, जो राजमिस्त्री था। मृतक के पिता छबीला महतो ने कहा कि शशिकांत की तबीयत ठीक नहीं थी, पेट दर्द था। रविवार दोपहर करीब 12 बजे दवा लेने घर से निकला था। रास्ते में उसके दोस्त उसे अपने साथ ले गए। रात में इब्राहिम नगर स्थित संजय गांधी कॉलेज के पीछे उसकी लाश मिली। गोली मारकर उसे किसी ने फेंक दिया। घटनास्थल पर विदेशी शराब, सोडा की बोतल मिली है।

एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए

वहीं घटना की सूचना मिलते ही एसपी राज, टाउन थानाध्यक्ष देवराज राय और अपर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की छानबीन में जुट गए। वहीं, पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा और कारतूस भी बरामद किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने एफएसएल की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य भी जुटाए हैं।

आरा में पेट दर्द होने पर दवा लेने घर से निकला था युवक

साक्ष्य संकलन किया जा रहा

एसपी मिस्टर राज ने बताया कि इब्राहिम नगर के रहने वाले एक युवक 27 वर्षीय शशिकांत की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटनास्थल की जांच फॉरेंसिक टीम से कराई जा रही है। वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए साक्ष्य संकलन भी किया जा रहा है। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है

सौतेले भाई पर लगाया आरोप

मृतक के पिता छबीला महतो ने बताया कि मेरी इब्राहिम नगर में 16 कट्ठा जमीन है। जिसको लेकर सौतेले भाई से 6 माह पूर्व से विवाद चल रहा है। मामले में मैंने प्राथमिक की भी दर्ज कराई थी। एक सप्ताह पहले टाउन थाना में भी शिकायत की थी कि जान से मारने की धमकी दी जा रही है। छबीला महतो ने अपने सौतेले भाई राम भवन हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि मृतक की हत्या किसने और क्यों की। इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर था। उसकी शादी 2020 में 30 मई को हुई थी। उसे कोई संतान नहीं है। मृतक के परिवार में मां पार्वती देवी, पत्नी खुशबू देवी और दो भाई राणा प्रताप, समा प्रताप व एक बहन राजकुमारी है।

संक्षिप्त समाचार

टाटी लगाने को लेकर विवाद में 13 वर्षीय बच्चे की हत्या

पूर्णिया/धमदाहा, एजेंसी। धमदाहा थाना क्षेत्र के बरदेला गांव में बसोबास की जमीन पर टाटी लगाने को लेकर विवाद में मारपीट से घायल 13 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार की सुबह 7 बजे के करीब बरदेला गांव के जनार्दन महतो एवं जयप्रकाश महतो के बीच जमीन पर टाटी को लेकर झड़प होने लगी। बहस के बाद मारपीट शुरू हो गई। बीच-बचाव में जनार्दन महतो के 13 वर्षीय पुत्र रवि किशन कुमार के सिर पर डंडा चला दिया गया जिससे वह तत्काल बेहोश होकर गिर गया। घटना के बाद परिवार के लोग आनन-फानन में उसे अनुमंडलीय अस्पताल धमदाहा ले गए जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के पश्चात उसे रेफर कर दिया। इलाज के दौरान सिल्लीगुड़ी अस्पताल में शनिवार को रात 12:30 बजे उसकी मौत हो गई है। घटना को लेकर मृतक के पिता जनार्दन महतो ने अपने पड़ोसी जयप्रकाश महतो, अलख महतो एवं उनके सहयोगियों सहित परिवार की महिलाओं पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। हत्या की सूचना फर पुलिस मामले की छानबीन करने बरदेला गांव पहुंची। वहीं पुत्र के मौत से मां सहित परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में थानाध्यक्ष कुमार अभिनव ने बताया कि घटना को लेकर आवेदन प्राप्त हुआ है। लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

बच्चों को दे अच्छी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

सहरसा/सलखुआ, एजेंसी। शनिवार को अभिभावकों व बच्चों की शिकायत पर राजद विधायक यूसुफ सलाउद्दीन ने महंथ मिट्ठु दास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलखुआ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में विधायक ने विद्यालय विकास की राशि, उपस्थिति पंजी, बच्चों की उपस्थित एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की जांच-पड़ताल की। साथ ही सभी शिक्षकों से परीचय पात्र करते गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व उपस्थित शिक्षकों को बच्चों को बेहतरीन शिक्षा कैसे मुहैया हो इसपर विस्तृत चर्चा करते विद्यालय की समस्याओं से अवगत हुए। निरीक्षण के दौरान बच्चों की कम उपस्थिति पर विद्यालय में सप्ताह में अभिभावकों से मीटिंग करने सहित उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के उज्जवल भविष्य को संवारने व बेहतर शिक्षा देने के लिए शिक्षा विभाग कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को शिक्षकों की हर गतिविधि की रिपोर्ट व शिक्षक के कक्षा संचालन की रिपोर्ट देने को कहा। मौजूद बीइओ सविता कुमारी को विद्यालय की समय समय पर जांच करने को कहा। इस दौरान प्रखंड प्रमुख, बीइओ सहित अभिभावकों ने विधायक को मिथिला संस्कृति अनुसार पाग, चादर, फूल माला ओढ़ा स्वागत किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख सरीता संगम, गजेंद्र यादव, रतीलाल यादव, मुकेश यादव, प्रिंस कुमार, विजय यादव, मंटुन सादा, जयकांत, अविनाश यादव सहित अभिभावक व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुकानदार हत्या मामले में एसपी ने किया निरीक्षण

सहरसा/सलखुआ। थाना क्षेत्र के गोरियारी चौक पे 18 सितंबर को किराना दुकानदार रंजीत यादव हत्याकांड का शनिवार की देर रात एसपी हिमांशु ने स्थल का निरीक्षण कर घटना की विस्तृत जानकारी ली। उसके बाद एसपी मृतक के परिजन से मिल जानकारी ली, एसपी ने घटना स्थल का अवलोकन कर परिजनों से मिल पूछताछ करते हत्यारों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। वही सलखुआ थानाध्यक्ष को छापेमारी करते हत्यारोपी की जल्द गिरफ्तारी को लेकर निर्देश दिए। वहीं एसपी के आने की सूचना व पुलिस की भीड़ देख आसपास के ग्रामीणों की बड़ी भीड़ जुट गई। वहीं घटनास्थल पहुँच प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी से मिल को हर गतिविधि पर नजर बनाए रखने को निर्देशित किया। उसके बाद एसपी अपने काफिले के साथ सलखुआ थाना पहुंच कर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर के मौजदगी में पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के साथ बैठक की और थानाध्यक्ष से कई बिंदुओं पर पूछताछ कर कई दिशा निर्देश दिए।

गायत्री मंदिर में महिलाएं कर रहीं सामूहिक पिंडदान तथा श्राद्ध तर्पण

मुंगेर, एजेंसी। एक संवाददाता पूरब सराय स्थित गायत्री मंदिर में सामूहिक पिंडदान तथा श्राद्ध तर्पण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे विशेष रूप से गायत्री परिवार से जुड़ी महिलाएं अपने पितरों का श्राद्ध एवं तर्पण श्रद्धा भाव के साथ समर्पित कर रही है।

भाजपा का दावा, सदस्यता अभियान के दौरान 18 दिनों में 23 लाख सदस्य बने

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- फॉर्म भरकर ही 7 लाख से अधिक सदस्य बन गए

पटना, एजेंसी। भाजपा का दावा है कि बिहार में सदस्यता अभियान के दौरान 18 दिनों में 23 लाख सदस्य बने हैं। सबसे अधिक सदस्य मिस्ड कॉल के माध्यम से बने हैं। भाजपा का टारगेट 1 करोड़ सदस्य बनाने का है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा को सदस्य बनाने में काफी परेशानी हो रही है। जबकि शहरी क्षेत्र में लोग खुद ही सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भाजपा दशहरा से पहले ही 50 लाख सदस्य बनाना चाहती है। इसके लिए लोगों से सीधे संपर्क कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के मुताबिक फॉर्म भरकर ही भाजपा 7 लाख से अधिक सदस्य बना चुकी है।

मोबाइल के जरिए बने सदस्यों की गणना नहीं हुए है। हालांकि सदस्यों की संख्या 23 से 27 लाख के बीच में है। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सदस्यता अभियान में कोई दिक्कत नहीं है। लोगों को भाजपा के कार्यों के बारे में पहले ही पहले से ही पता है। ऐसे में कई लोग अपने आप ही पार्टी के सदस्य बन रहे हैं।

एक मोबाइल से एक सदस्यता के कारण लक्ष्य पाने में समस्या आ रही

ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा को सदस्य बनाने में काफी परेशानी हो रही है। भाजपा नेताओं के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश लोगों को मुफ्त में अनाज और आयुष्मान योजना के अतिरिक्त किसी दूसरी योजना के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। सरकार के शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, एयरपोर्ट के क्षेत्र में किए गए कार्यों को समझाने में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा एक मोबाइल एक सदस्य के कारण भी लक्ष्य पाने में समस्या आ रही है। अगर कोई व्यक्ति अपने मोबाइल फोन से एक बार सदस्य बन गया है, तो उस मोबाइल का इस्तेमाल दूसरे व्यक्ति की सदस्यता के लिए नहीं हो सकता है।

सांसद से ज्यादा प्रभावी विधायक

सदस्यता अभियान में अधिकांश संसदीय क्षेत्रों में सांसद से अधिक पार्टी विधायक प्रभावी हैं। विधायक लोगों को भाजपा और नरेंद्र मोदी के कार्यों को आसानी से समझा रहे हैं। जबकि सांसद का क्षेत्र बड़ा होने से सीधे संपर्क में दिक्कत हो रही है। सबसे अधिक परेशानी उन क्षेत्रों में हो रही है, जहां पर सांसद प्रत्याशी हारे हैं या फिर दूसरे दल के सांसद हैं। हालांकि विधायकों को 2000 और सांसद को 5000 सदस्य बनाने का लक्ष्य है। जबकि प्रदेश पदाधिकारी को 500 सदस्य बनाने हैं। भाजपा का सक्रिय सदस्य बनने के लिए 200 नए सदस्य बनाना जरूरी है। सक्रिय सदस्य ही भाजपा के पदाधिकारी बन सकते हैं। सदस्यता अभियान प्रभारी जीवेश मिश्रा ने कहा कि केंद्र ने बिहार में काफी काम किया है। बिहार सरकार भी लोगों के विकास के लिए सक्रिय है। ऐसे में सदस्य बनाने का लक्ष्य बड़ा नहीं है।

भीषण सुखाड़ के कारण लोगों को झेलना पड़ रहा पेयजल का संकट

दरभंगा/बिरौल, एजेंसी। अनुमंडल क्षेत्र में जरूरत के अनुरूप बारिश नहीं होने से भीषण सुखाड़ की स्थिति हो गई है। कई गांवों में पेयजल की किल्लत हो गई है। जलस्तर नीचे चले जाने से चापकल सूख गये हैं। पंचायतों में लगे 50 प्रतिशत से अधिक हर घर नल जल योजना बंद हो गयी है। अनुमंडल अधिकारी की ओर से दिए गए निर्देश के 10 दिन बीत जाने के बावजूद विभाग की ओर से समस्या का निदान नहीं किया गया। इससे जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मालूम हो कि सरकार कि ओर से मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना एव पंचायती राज विभाग द्वारा हस्तांतरित जलापूर्ति योजना को सरकार की ओर से रखरखाव व क्रियान्वयन करने के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को दे दिया है। इधर, विभाग की ओर से लापरवाही बरते जाने से पेयजल की समस्या गंभीर बनी हुई है। बिरौल में 50 प्रतिशत से अधिक योजनाएं बन्द पड़ी हैं। विभागीय आंकड़े को मानें तो सभी 299 योजनाओं में से 180 योजनाएं बन्द हैं। इसको लेकर अनुमंडल अधिकारी ने संज्ञान लेते हुए 10 दिन पूर्व सभी पंचायतों के मुखिया तथा पीएचईडी के अधिकारी के साथ बैठक की थी।

बैठक में उपस्थित मुखिया ने विभागीय अधिकारी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था। इसमें एसडीओ उमेश कुमार भारती ने एक सप्ताह के अन्दर खराब बंद नल-जल योजना को ठीक कर चालू करने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके समस्या जस की तस बनी हुई है। इधर, मुखिया संघ के अध्यक्ष व बैरमपुर पंचायत मुखिया सरोज कुमार चौधरी, साहो के प्रतिनिधि प्रदीप कुमार यादव, उछ्टी के मुखिया मिथिलेश शर्मा, अकबरपुर बेंक के विश्वंभर पासवान, डुमरी के राम प्रवेश साहू, पोखराम दक्षिणी की मालती देवी, भवानीपुर के प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह, सुपौल के कासिफ उर्फ उजाले व अरगा उसरी के कृष्ण कुमार मिश्र प्रभाकर ने कहा कि पीएचईडी हवा-हवाई काम करता है। बैठक में एसडीओ उमेश कुमार भारती के सामने एक सप्ताह में बन्द पड़ी योजना को चालू करने का वादा किया था। बावजूद इसके प्रखंड की सभी पंचायतों में पेयजल की किल्लत दूर नहीं हो पायी।

किचन में प्रेशर कुकर ब्लास्ट, दो महिलाएं जख्मी, एक घायल की स्थिति नाजुक

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में प्रेशर कुकर फटने से हादसा हो गया। हादसे में दो महिला बुरी तरह झुलस गई। घटना के बाद दोनों महिलाओं को इलाज के लिए जीएमसीएच पूर्णिया में भर्ती कराया गया। जहां से एक महिला की नाजुक स्थिति देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना टीकापट्टी थाना क्षेत्र के नया नंदगोला गांव की है। घायल महिला की पहचान नंदगोला गांव निवासी स्वर्गीय विकास पासवान की पत्नी विभा देवी 35 के रूप में हुई है। जबकि दूसरी महिला उसकी मेड मीरा देवी बताई जा रही है।

एक महिला को रेफर किया : देवर रूपेश कुमार पासवान ने बताया कि रोजाना की तरह भाभी और मेड किचन में घर वालों के लिए खाना बना रही थी। चूल्हे पर कुकर चढ़ा था। काफी गर्म हो जाने के कारण कुकर के अंदर काफी प्रेशर बन गया था। जिसके कारण प्रेशर कुकर अचानक फट गया, तेज धमाका हुआ। महिला के चीखने की आवाज सुनकर घरवाले किचन में पहुंचे। दोनों को तरु्ष्ट॥ पूर्णिया में एडमिट कराया गया। फिलहाल एक महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। टीकापट्टी थाना की पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी।

पूर्णिया में खाना बनाने के दौरान हादसा

एक टीम स्टेशन पर तो दूसरी ट्रेन में, महिलाओं के सफर को सुरक्षित बनाने का प्लान

बुजुर्गों को भी मदद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। ट्रेनों में रात में अकेली सफर करने वाली महिलाएं अब सुरक्षित यात्रा कर सकेंगी। इसको लेकर जीआरपी मुजफ्फरपुर ने महिला पुलिसकर्मियों की दो स्पेशल टीम बनाई है। ये जंक्शन व ट्रेनों में घूमने वाले शोहदों पर कड़ी नजर रखेंगी। रेल थानेदार रंजीत कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बनाई गई महिला पुलिसकर्मियों की एक टीम थाना से लेकर जंक्शन पर तैनात रहेगी तो दूसरी ट्रेनों के अंदर रहेगी। इनका काम महिलाओं से संबंधित अपराध पर अंकुश लगाना रहेगा। बताया कि ट्रेनों में ये टीम महिला यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ उन्हें जागरूक भी करेगी। महिलाओं को बताया जाएगा कि ट्रेन में अगर उनके साथ कोई अनहोनी होती है, तो वे डरें नहीं, बल्कि पुलिस को सूचना दें। पुलिस उनकी समस्या का तुरंत समाधान करेगी। एक टीम में दो से तीन महिला पुलिसकर्मी रहेंगी। जंक्शन व ट्रेनों के अंदर अकेली महिला को देखकर उचक्के उनके इर्द-गिर्द भटकने लगते हैं। ऐसे में वे अपनी यात्रा पूरी नहीं कर पातीं। इसी वजह से महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह पहल की गई है। ट्रेन के भीतर रात में महिला पुलिसकर्मी स्कॉर्ट करेंगी, जो महिलाओं को सुरक्षित रखेंगी।

बुजुर्ग महिलाओं को ट्रेन में चढ़ने में करेगी मदद

थानेदार ने बताया कि बुजुर्ग महिला यात्री को टीम में शामिल पुलिसकर्मी बोगी के अंदर चढ़ाने में भी मदद करेगी। जरूरत पड़ने पर सीट पर भी बैठाएंगी। बुजुर्ग महिला यात्री का नाम व सीट नंबर भी नोट किया जाएगा, जिसे अगले स्टेशन पर चढ़ने वाली स्कॉर्ट पार्टी को दिया जाएगा। वहां से आगे का सफर दूसरी पार्टी पूरा कराएगी।

शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए 24 से साक्षात्कार

छपरा, एजेंसी। डीईओ व स्थापना डीपीओ ने संबंधित प्रधानाध्यापक व शिक्षकों को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि सीडब्ल्यूजेसी राघवेंद्र शर्मा बनाम राज्य सरकार व अन्य में पारित न्यायादेश और प्राथमिक शिक्षा निदेशक के आदेश के अनुपालन में शिक्षकों का साक्षात्कार का शेड्यूल जारी किया गया है। पत्र में कहा गया है कि बिहार प्रारंभिक शिक्षक प्रोन्नति नियमावली 1993 के तहत स्नातक विज्ञान एवं कला के प्रारंभिक विद्यालयों के वैसे मैट्रिक प्रशिक्षित शिक्षक जिनकी सेवा 31.12.2007 को 8 वर्षों की पूरी हो चुकी है एवं उनकी योग्यता स्नातक की है। वह निर्धारित फॉर्मेट में संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा अभी प्रमाणित शैक्षणिक प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र व सेवा पुस्तिका के साथ साक्षात्कार में शामिल होंगे। साक्षात्कार के लिए जिला निबंधन व परामर्श केंद्र को चयनित किया गया है। 24 सितंबर से 30 सितंबर के बीच अलग-अलग प्रखंडों का शेड्यूल जारी किया गया है।

तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने बाइक में मारी टक्कर, दो जख्मी

सुपौल के एनएच-57 पर सड़क पार करने के दौरान हुआ हादसा, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

सुपौल, एजेंसी। सुपौल के भीमपुर थाना क्षेत्र से पूरब एनएच-57 मोड़ के पास नरपतगंज की तरफ से आ रही तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने सड़क क्रॉस कर रहे एक बाइक पर सवार दो लोगों को रौंद दिया। इस घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वहीं हादसे के बाद एम्बुलेंस बीच सड़क पर पलट गई। जिससे एनएच 57 का दोनों लेन जाम हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने दोनों घायल को इलाज के लिए नरपतगंज अस्पताल लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार हवा में लगभग 15 फिट उछलकर सड़क के दूसरी लेन पर जा गिरे थे।

टक्कर के बाद बीच सड़क पर पलटा एम्बुलेंस

जानकारी अनुसार भीमपुर वार्ड 05 निवासी शिवनारायण ठाकुर(50) अपने बेटे अजय ठाकुर(28) के साथ अपने बाइक बीआर 50 एडी 0198 से कुसमोल से कार्य कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान भीमपुर चौक स्थित एनएच 57 पर मोड़ के पास सड़क पार करने के लिए खड़े थे। इसी दौरान नरपतगंज के तरफ से आ रही तेज रफ्तार एम्बुलेंस बीआर 50पी-3481 ने उस बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वो दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर घटना से गुस्साए लोगो ने एनएच 57 को जाम कर हंगामा और रॉड सेफ्टी की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। हंगामा कर रहे लोगो का कहना था कि घटनास्थल से मात्र 50 मीटर की दूरी पर भीमपुर थाना है और फिर भी पुलिस प्रशासन को स्थल तक पहुंचने में करीब आधा घंटा का समय लग गया। इस जगह पर बराबर सड़क दुर्घटनाए होते रहती है। इसीलिए इस जगह फ्लाईओवर ब्रिज की मांग हमलोग लगातार कर रहे है। लेकिन एनएचआई सड़क सेफ्टी के नाम पर कुछ दूर ग्रिल लगाकर पल्ला झाड़ लिया है।

दोनों घायलों का चल रहा इलाज

भीमपुर थानाध्यक्ष मिथिलेश पांडे ने बताया कि दोनों घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त करवा दिया गया।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809
9801344665

अपराधियों के विरुद्ध मोतिहारी एसपी का 'क्रैक डाउन', दहशत का माहौल पैदा करने वाले खुद दहशत मे

बीएनएम। मोतिहारी। सागर सूरज

नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात मोतिहारी में पदस्थापना के साथ ही पुरी तरह फॉर्म मे आ गए है। एक तरफ अपराधियों और वरंटियों के गिरफ़्तारी हेतु निरंतर जारी 'क्रैक डाउन' तो वही कुल छह 'क्विक रेस्पॉन्स टीम' जिसमे महिला, बाइक, ब्रज, दंगा टीम और दो सामान्य टीम शामिल है, की गठन कर एक बेहतर पुलिसींग की ओर जिले की पुलिस को भेजने का प्रयास किया जा रहा है। पदस्थापना के बाद हुए सभी बड़ी- छोटी घटनाओं मे त्वरित कार्रवाई, साथ ही हत्या जैसे बारदातो में दोषियों पर कुछ इस तरह दबाब की सभी कही ना कही खुद को सरेंडर करने मे ही अपनी भलाई समझते दिख रहे है। बंगरा हत्याकांड को लेकर कोटवा थाना प्रभारी की लापरवाही को देखते हुए हुई कारवाई से यह स्पष्ट है कि पुलिस अधिकारी भी लापरवाही की स्थिति मे बख्से नहीं जाएंगे। अपराध और अपराधियों की बात छोड़ दे तो शहर के जाम के प्रति भी पुलिस अधीक्षक खासे संजीदा दिखे। उन्होंने जाम से निबटने के लिए अधिकारियों की संख्या बढ़ाने की बात कही वही सभी को वायरलेस सिस्टम से लैस करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि पूर्वी चंपारण जिला नेपाल सीमा से जुड़े होने और खुली सीमा होने के कारण वैसे ही अपराध और अपराधियों के लिए सेफ ज़ोन माना जाता रहा है। कारण यह कि अपराधी कोई भी घटना को अंजाम दे कर आसानी से बॉर्डर क्रॉस कर जाते रहे है। लेकिन इधर के दिनों मे बिहार सरकार द्वारा जमीन सर्वे की शुरुआत के साथ ही जमीन कब्जे को लेकर कई हिंसक वारदात होने शुरू हो गए। गोलियां चली और हत्याएं भी हुई। पुलिस अधीक्षक ने एक तरफ घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की। वही जमीन विवाद को सुलझाने को लेकर थाना और अंचल स्तर से बैठके करवाने पर भी जोर दिया। लाइसेंसी हथियार के प्रदर्शन करने वालों के साथ-साथ डीजे संचालकों पर भी नकेल कसने की दिशा मे पुलिस अधीक्षक ने अपना स्पष्ट आदेश जारी कर दिया है। आदेश नहीं मानने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी और गिरफ़्तारी के सख्त आदेश जारी कर दिए गए है। माना जा रहा है कि डीजे की धुन पर डांस करते करते लोग मार पीट पर उतारू हो जा रहे है। बीजधारी थाना क्षेत्र मे एक स्कूल प्रहरी के हत्या मामले का उद्भेदन भी घटना के 12 घंटे के भीतर हो गया और अपराधियों की गिरफ़्तारी के लिए 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया। एसआईटी का गठन भी हुआ और गिरफ्तारियां भी हुई। यही नहीं मधुबन के बाँकी गाँव मे भी जमीन को लेकर फायरिंग हुई जिसमे एक बच्ची की मौत हो गई। इसमे भी गिरफ्तारिया हुई साथ ही कोटवा थाना अंतर्गत बंगरा मे भी जमीन कब्जे को लेकर फायरिंग हुई, जिसमे एक आदमी की मौत गोली लगने से हो गई। मामले मे पुलिस की ऐसी दबिश पड़ी की दो अभियुक्त को न्यायालय में आत्म समर्पण करना पड़ा।

तिरूपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट की हो सीबीआई जांचः लवली आनंद

बीएनएम। मोतिहारी

शिवहर सांसद लवली आनंद ने तिरूमाला तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट करने के मामले को सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। सांसद ने कहा कि संविधान किसी को भी जन आस्था से खिलवाड़ करने की अनुमति नही देता है। यह असहनीय है।उन्होने कहा कि आखिर लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने का उन्हें किसने अधिकार दिया? ऐसे में हम इसकी सीबीआई जांच कराने की मांग करते है,ताकि तिरूपति जैसे पवित्र स्थल पर आस्था के साथ खिलबाड़ करने वाले साजिशकर्ताओ का खुलासा हो सके। दरअसल शिवहर सांसद लवली आनंद सोमवार को मोतिहारी के सर्किट पहुंची थी, जहां उन्होने पत्रकारों को संबोधित करते कहा कि बिहार में भूमि सर्वे को फिलहाल रोकने की जरूरत है, क्योंकि क्षेत्र भ्रमण के दौरान यह सामने आया है,कि रैयतों के पास अभी कागजात उपलब्ध नही हो सका है। सरकार को पहले उन्हे कागजात मुहैया कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में भूमि सर्वे होना जरूरी है,लेकिन इसके लिए जल्दबाजी ठीक नहीं है। इसको लेकर हम जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी बात रखेगे। उन्होने नवादा में महादलितों के घर जलाए जाने के सवाल कहा कि ऐसी घटना बहुत ही दुखद है। नीतीश सरकार ऐसे लोगो के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई कर रही हैं।उन्होने कहा कि चुनाव के दौरान हमने शिवहर की जनता से कुछ वायदे किये थे।जिसमे रीगा चीनी मिल चालू करने का वायदा पूरा होने जा रहा है।शेष पर कार्य हो रहा है। वह भी शीघ्र पूरे होगे।

बाल संरक्षण उन्मुखीकरण कार्यशाला का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

सोमवार को महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग,यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना के अंतर्गत शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभा भवन में बाल संरक्षण उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में जनप्रतिनिधि, लेडी सुपरवाइजर,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हुए। इस कार्यशाला में मुख्य सहजकर्ता बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन पटना के पीयूष कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 05 के अनुसार पूर्वी चंपारण में बाल विवाह का दर 49.2 पर्सेंट है, जो चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के प्रति समुदाय सजग होता तो इतना बड़ा आंकड़ा नहीं दिखता। श्री कुमार ने कहा कि बाल विवाह, बाल श्रम और बाल व्यापार के रोकथाम हेतु जिला स्तरीय ठोस समन्वय की जरूरत है, ताकि बाल संरक्षण पद्धति को मजबूत एवं सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के उन्मूलन के लिए उचित प्रचार-प्रसार किया जाए। इस जागरूकता को व्यापक ढंग से सुदूर गांव के अंतिम व्यक्ति तक ले जाया जाए। बाल विवाह के जागरूकता में समुदाय और अभिभावक की भागीदारी होती है तभी बाल विवाह को रोका जा सकता है। इस अवसर पर श्री पीयूष ने पोक्सो एक्ट, मानसिक स्वास्थ्य एवं मनो सामाजिक सहायता, बाल एवं किशोर श्रम कानून के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रज़ा, प्रखंड समन्वयक जितेंद्र कुमार सिंह, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कुमारी श्वेता, रघुवंश कुमार, शिक्षा विभाग से दिलीप कुमार, मुखिया मोहन सहनी, उपेंद्र पासवान, लेडिज सुपरवाइजर प्रतिमा कुमारी, बिंदु कुमारी, रंजना कुमारी, नूतन कुमारी, सरिता कुमारी, बबीता देवी, अनीता तिवारी, संगीता कुमारी, अर्शी सुल्तान, ललिता कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित हुए।

भाषा, हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति व संस्कारों की सच्ची संवाहक-प्रो. संजय श्रीवास्तव

- हमें अंग्रेजी भाषा से अधिक अपनी मातृ भाषा हिंदी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत- सौरभ जोरवाल
- हम भारतवासियों को अपनी मातृभाषा हिंदी पर गर्व होनी चाहिए

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में "हिंदी पत्रकारिता में भाषागत चुनौतियाँ" विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के 0मुख्य अतिथि पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, मुख्य वक्ता भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय थे। विषय प्रवर्तन मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की। स्वागत संगोष्ठी संयोजक डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थी जिस भी क्षेत्र में अपनी पत्रकारिता करना चाहते हैं, उस विषय में उनकी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। जिस भी भाषा का उपयोग करें वह संपूर्ण रूप से शुद्ध और तथ्य से परिपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि विद्वान वक्ताओं को सुनना चाहिए और कौशल को विकसित करना चाहिए। शुद्ध भाषा एक दूसरे को प्रभावित करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि अधिकाधिक अपने भाषा में वार्तालाप करें और निज भाषा पर गर्व करें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारी भाषा, हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति व संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक है। जिस का ख्याल पत्रकारिता के विद्यार्थियों को रखनी चाहिए। बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि हम देशवासी अंग्रेजों के प्रभुत्व से आजाद हो गए परंतु हम आज भी मानसिक तौर पर उनकी भाषा के गुलाम है। हमें अंग्रेजी भाषा से अधिक अपनी मातृ भाषा हिंदी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि देश को नई दशा दिशा मिले। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पत्रकारिता में अत्यधिक महत्व रखता है तथा पत्रकारिता के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की शुद्धता पर ध्यान देने की आवश्यकता हैं। हम सभी हिंदी भाषा में सोचते हैं तथा एक पत्रकार का अहम कार्य यह होता है कि वह समाज को सरल भाषा में जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे लोगों को सहजता से समझ आ जाएं। मुख्य वक्ता प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि हम भारतवासियों को अपनी मातृभाषा हिंदी पर गर्व होनी चाहिए। आज हिंदी भाषा में अंग्रेजी भाषा का सम्मिलन और व्याकरणीय अशुद्धियां देखी जा रही हैं, जो की हमारे भाषा की गिरावट की ओर संकेत दे रही है। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार में सुनने, बोलने-लिखने और पढ़ने के गुण विद्यमान होनी चाहिए, जिससे वे शुद्धता पूर्वक अपनी जानकारी को समाज तक पहुंच सकें। उन्होंने विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति शुद्धता व उच्चारण सम्बन्धी विशेष बातों पर बल देते हुए कहा की भाषा से संस्कार का निर्माण होता है तथा संस्कार से संस्कृति का निर्माण होता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों का आह्वाहन करते हुए कहा कि मातृभाषा को अपने समाज में लोकप्रिय बनाने की जरूरत है। ताकि लोग ज्यादा से ज्यादा अपनी भाषा में अध्ययन करें और अपने दैनिक जीवन में इसका अधिक से अधिक उपयोग करें। विषय प्रवर्तन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि डिजिटल मीडिया के आने से हिंदी पत्रकारिता में भाषागत चुनौतियाँ बढ़ी है। हिंदी पत्रकारिता में भाषा को समृद्ध करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में सरल भाषा के साथ शुद्ध भाषा हो इसकी चिंता करनी होगी। विभिन्न समाचारपत्रों में भाषा की शुद्धता और अशुद्धता का भी जिक्र किया और विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के प्रति प्रेरणा प्रदान की। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी संयोजक डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने की। उन्होंने हिंदी और हिंदी पत्रकारिता के प्रति अनुराग विकसित करने और भाषागत चुनौतियों का जिक्र किया। धन्यवाद ज्ञापन मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने की। कार्यक्रम में मुख्य नियंता एवं गाँधी परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह, डीडीयू के निदेशक प्रो. शिरीष मिश्र, संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. श्याम कुमार झा, मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. साकेत रमण, डॉ. उमा यादव, डॉ. सुब्रतो रॉय, डॉ. शिवेंद्र सिंह, डॉ.रवीश चंद्र वर्मा, डॉ. शेफालिका मिश्रा आदि मौजूद थे। मंच का संचालन तुशाल कुमार और पूजा कुमारी के द्वारा किया गया। अतिथियों का परिचय अंशिका कुमारी, अपूर्वा त्रिवेदी एवं राशि कुमारी ने दिया। चर्चा सत्र में रुचि भारती, गजेंद्र कुमार, अदिति सिंह एवं अंशिका कुमारी द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समुचित जवाब मुख्य वक्ता प्रो श्रीप्रकाश पांडेय के द्वारा दिया गया। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान से हुई।

कोटवा मे आयोजित भू संवाद सम्मेलन कई मामलों में सफल

बीएनएम। मोतिहारी

कोटवा उच्च विद्यालय के प्रांगण मे भू संवाद द्वारा आहूत भू समाज का सम्मेलन कई मामलों मे काफ़ी सफल रहा। कई ज़िलों से आये भू धारियों ने समाज के विकास और राजनीति मे अपनी भूमिका को लेकर जोरदार रूप से बहस की एवं अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोग अपने अपने बच्चे को शिक्षा के प्रति उत्साहित करें ताकी खुद के साथ अन्य जातियों को सहयोग एवं मदद को लेकर वे खड़े हो सके। इस अवसर पर संरक्षक सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव द्विवेदी उर्फ पप्पू दूबे एवं शिक्षा विद अलोक शर्मा ने अपने जोरदार भाषण से भू बन्धुओं को झकझोरने का कार्य किया। सेंट्रल यूनिवर्सिटी रजिस्टार सचिदानंद सिंह, चिमनी मालिक पिंटू ओझा, मधुबन स्टेट मधुकर, समाजसेवी निर्मल हिमांशु , राजू पांडेय पांडेय वाटिका मैरेज हॉल अरेराज), पूर्व मुखिया कन्हैया पांडेय, रवि सिंह मुखिया मधुबनी, अरुण ठाकुर (पश्चिमी चंपारण पेट्रोलियम डीलर संगठन अध्यक्ष), बिनोद पांडेय, पूर्व मुखिया भवानीपुर मुन्नानी शर्मा , मिक्कू शाही, पूर्व मुखिया,वरिष्ठ पत्रकार सागर सूरज, अरुण ओझा, सोनू राय पूर्व मुखिया , झुनझुन सिंह ममरखा पैक्स अध्यक्ष, राजू ठाकुर मुखिया, उमाकांत सिंह मुखिया गोपी छपरा, बृजकिशोर सिंह जी (मधुबनी), सुधाकर दुबे (दुबे टोला) विकास राय (राय इंटरप्राइजेज सह चिमनी मालिक), पैक्स अध्यक्ष रवि ओझा चकिया, पैक्स अध्यक्ष सुशील सिंह मच्छरगवा, पैक्स अध्यक्ष अरबिंद सिंह नवादा, और समाजसेवी संजय सिंह, नवादा , मिथलेश प्रसाद सिंह (जहानाबाद), अजीत सिंह (सीतामढ़ी) समाजसेवी आयुष वत्स, वरुण राय जी भी शामिल दिखे l बैठक के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन सभी क्षेत्र में सहयोग करके मदद करने एवं समाज को एकजुट करने पर विचार विमर्श किया गया है। मीटिंग को सफल बनाने मे दिन रात मेहनत करने वाले जिला कोऑर्डिनेटर प्रणव सिंह, ललित मिश्रा, पिंकू सिंह, अवनीश सिंह(ADA), संदीप सिंह, सौरभ सिंह, पियूष सिंह, रौनक सिंह, प्रियम कुमार,आशीष कुमार, आयुष कुमार सोनल कुमार, सोनल सिंह, पीयूष कुमार, अभिनव कुमार,शुभम कुमार, वैभव कुमार,अभिनव कुमार,आयुष कुमार, अभिषेक कुमार, अभिजीत कुमार, इत्यादि शामिल थे। वही कोटवा के युवा साथी और बेतिया कोऑर्डिनेटर मिलन राय, विवेक राय, आलोक पांडेय, अमुक सिंह आदि भी कार्यक्रम मे शामिल रहे।

वीर कुँवर सिंह को भारत रत्न देकर संसद भवन में मूर्ति स्थापित करें सरकारः अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

बीएनएम। मोतिहारी

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा पूर्वी चम्पारण की जिला ईकाई की मासिक बैठक मोतिहारी के रामसन प्लाजा होटल में संपन्न हुई। इस बैठक में राजपूत जाति के विभिन्न बुद्धिजीवियों और युवाओं ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बाबू वीर कुंवर सिंह जी को भारत रत्न देने और उनकी प्रतिमा संसद भवन में लगवाने की मांग, स्टेशन के समीप अवस्थित महाराणा प्रताप जी की मूर्ति का जीर्णोद्धार, ईडब्ल्यूएस आरक्षण को पूर्णतः लागू करवाने की मांग, आगामी वार्षिक सम्मेलन के आयोजन की तैयारी, महाराणा प्रताप बहुद्देशीय भवन के निर्माण के कार्ययोजना का निर्धारण, निर्धन और असहाय लड़कियों की शादी और मेधावी छात्रों के लिए शिक्षा का प्रबंध, जिला कार्यकारिणी का विस्तार इत्यादि हैं। जिला युवा महासचिव ई. सचिन राव राजपूत ने कहा कि अगर केंद्र सरकार वीर कुंवर सिंह जी को भारत रत्न देकर संसद भवन में उनकी मूर्ति नहीं स्थापित करती है तथा राज्य और केंद्र की सरकारें ईडब्ल्यूएस आरक्षण को पूर्णतः लागू मतलब उम्र सीमा में छूट, आवेदन शुल्क में छूट, ईडब्ल्यूएस सरकारी छात्रावास, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी के लिए सहायता व प्रयास सीमा में छूट इत्यादि लाभ नहीं देंगी तो राजपूत जाति इसका प्रतिशोध आगामी चुनावों में लेगी। इन्होंने कहा कि जो कुछ पार्टियों नेता क्षत्रियों के महापुरुषों को अन्य जातियों के महापुरुष घोषित करने में लगे हैं और कुछ भी टिपण्णी कर रहे हैं तो उन्हें चेतावनी है कि सुधार कर लें अन्यथा उनका प्रतिउत्तर बहुत कष्ट कारक होगा। प्रदेश प्रभारी जीतेश सिंह ने कहा कि इस बैठक के माध्यम से क्षत्रियों के आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास की बात की गई। जिला महामंत्री सत्येंद्र सिंह ने कहा कि कार्यकारिणी विस्तार हेतू जिला के प्रत्येक गाँव में जाकर क्षत्रिय समाज को जगाना है। समाजसेवी ई. अंगद सिंह ने कहा कि आनेवाली पीढियों के लिए हमें एक आदर्श बनना चाहिए, और क्षत्रिय की गरिमा को स्थापित रखना चाहिए। वहीं युवा जिलाध्यक्ष ई. राज रौशन सिंह ने कहा कि हमारे गौरव महाराणा प्रताप जी मूर्ति के जीर्णोद्धार, पृथ्वी राज चौहान के नाम एक पार्क के नामकरण और पहले से मोतिहारी में मौजूद मीना बाजार स्थित राजपूत छात्रावास को अतिक्रमणमुक्त कराने हेतू स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और नगर प्रशासन से मांग किया। बैठक में इस संगठन के प्रदेश प्रभारी जीतेश सिंह, संयोजक सुदामा सिंह, समाजसेवी ई. अंगद सिंह , जिला महामंत्री सह पूर्व आर्मी सत्येंद्र सिंह, युवा जिलाध्यक्ष ई. राज रौशन सिंह, जिला युवा महासचिव ई. सचिन राव राजपूत, प्रतीक सिंह, रविकांत सिंह, शशि सिंह, अभय सिंह, गोविंद सिंह राणा, रितेश सिंह , विकास सिंह, टुन्ना सिंह, धनंजय चंदेल, संतोष सिंह , रिशु प्रताप सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

संक्षिप्त समाचार

नयागाँव पानशाला चौक पर इस वर्ष होगा रामलीला का आयोजन

पूर्वाभ्यास में जुटे कलाकार

बीएनएमः केसरिया। दशहरा के अवसर पर नयागाँव पानशाला चौक पर पाँच दिवसीय रामचरित् मानस अभिनय (रामलीला) का मंचन किया जाएगा। विविध कला विकास समिति के कलाकारों द्वारा रंजन कुमार के निर्देशन में इसका आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को यादगार व सफल बनाने को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। माँ दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष उपेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि कोरोना काल के समय से रामलीला का मंचन बाधित था। करीब चार वर्ष बाद इसका आयोजन किया जा रहा है। वहीं 65 फीट के रावण के पुतला का निर्माण किया जा रहा है। विजय दशमी के दिन रावण का पुतला दहन किया जाएगा। निदेशक रंजन कुमार ने बताया कि रामचरित् मानस अभिनय के निर्माता रामाधार प्रसाद हैं। इसमें भाग लेने वाले सभी कलाकार क्षेत्रीय होंगे। कार्यक्रम में रामलीला के अलावा विलुप्त हो रही परम्पराओं पर आधारित झिझिया गीत, जट-जटीन, कृषि पर आधारित गीत इत्यादि भी प्रस्तुत किया जाएगा। रामलीला का कार्यक्रम आठ अक्टूबर से श्रवण संवाद से शुरु होगा तथा 12 अक्टूबर को राम राज्य तिलक के साथ समाप्त होगा। वही 12 अक्टूबर को चार बजे दिन में राम-रावण युद्ध के साथ पुतला का दहन किया जाएगा। कार्यक्रम में संगीत निर्देशन की जिम्मेवारी कुमार गौरव तथा प्रहसन की जिम्मेवारी आलम महम्मद की होगी। कार्यक्रम को लेकर कलाकारों द्वारा विगत कई दिनों से रामलीला मंचन का पूर्वाभ्यास किया जा रहा है।

गीदड़ तीन को काटकर किया जख्मी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पताही प्रखंड क्षेत्र के जिहूली पंचायत में तीन लोगों को गीदड़ ने काटकर घायल कर दिया है। इस घटना के बाद लोगों में दहशत व्याप्त है। लोग अपने खेतों में जाने से भी डरने लगे हैं। गीदड़ काटने से जख्मी तीनों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही में किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार गीदड़ का आतंक रविवार को शुरु हुआ और जिहूली पंचायत में तीन लोगों को काट कर जख्मी कर दिया। पताही सीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शंकर ने बताया कि सियार के काटने से जिहूली पंचायत के किशोरी पंडित पिता स्वर्गीय रामदेनी पंडित उम्र 55 वर्ष, संजीव कुमार पिता सिकंदर पंडित उम्र 14 साल, प्रतिमा देवी पति छितनी मांझी उम्र 51 साल का इलाज पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।

स्कूल नाईट गार्ड हत्याकांड के दो आरोपियों ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

बीएनएम। केसरिया। स्कूल नाईट गार्ड मणि प्रकाश हत्याकांड के दो आरोपियों ने सोमवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। बताया जाता है कि स्कूल नाईट गार्ड हत्याकांड के प्राथमिक अभियुक्त सुन्दरापुर का मनीष कुमार व सुबोध राय ने पुलिसिया दबाव के कारण कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई कर रही है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि फरार अन्य आरोपियों के विरुद्ध इश्तेहार की कार्रवाई की जा रही है। ज्ञात हो कि पश्चिमी सुन्दरापुर के मणि प्रकाश की हत्या 19 सितंबर की देर संध्या गोली मार कर की गई थी। इस मामले में मृतक की पत्नी के आवेदन पर बिजधरी थाना में चार नामजद व चार अज्ञात लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने एक आरोपी जियालाल कुमार यादव को पहले हीं गिरफ्तार कर लिया है।

अज्ञात कार की चपेट में आने से बाइक सवार शिक्षक की मौत

बीएनएम। केसरिया। अज्ञात कार की चपेट में आने से सोमवार की संध्या बाइक सवार एक शिक्षक की मौत हो गई है। घटना एसएच 74 केसरिया-खजुरिया सड़क मार्ग के बेनीपुर चौक की है। मृतक केसरिया थाना क्षेत्र के ढेकहाँ सेढा निवासी 35 वर्षीय मो इरफान थे। वे गोपालगंज जिले के खोरनपुर स्थित एक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। बताया जाता है कि इरफान विद्यालय से अपने घर बाइक से आ रहे थे। इसी बीच बेनीपुर चौक के समीप एक अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसके बाद इरफान गिर कर बुरी तरह घायल हो गए। घायल शिक्षक को राहगीरों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केसरिया लाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुँची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। बता दें कि इरफान तीन भाईयों में दूसरे नम्बर पर थे। पिता शौकत अली व बड़ा भाई भी शिक्षक हैं।

भुजा दुकान से 10 लीटर शराब बरामद, दुकानदार गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया। पुलिस ने भुजा दुकान से रविवार को शराब के साथ दुकानदार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति केसरिया का किशोर पटेल है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि भुजा दुकान में शराब बिक्री की सूचना मिली। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए भुजा दुकान में छापेमारी की गई। जहाँ से 10 लीटर देशी शराब के साथ दुकानदार को पकड़ा गया। गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

धान अधिप्राप्ति में धान गबन करने वाले पैक्स पर होगी कार्रवाई

बीएनएम। मोतिहारी। जिला सहकारिता कार्यालय द्वारा धान अधिप्राप्ति में धान गबन करने वाले पैक्स पर कार्रवाई का सिलसिला और तेज कर दिया गया है। जिले के पताही पूर्वी पैक्स अध्यक्ष सुधीर कुमार सहित पूरी प्रबंधकारिणि पर पताही के प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, गौरव रंजन द्वारा जिला सहकारिता पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण के आदेश के आलोक में पताही थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। (थाना कांड संख्या-226/24)। पैक्स अध्यक्ष ने लगभग 6 लॉट का धान गबन कर लिया है, जिसका मूल्य लगभग 56,50,272 होता है। लगातार विभिन्न बैठकों में निदेशित करने के बाद भी संबंधित पैक्स द्वारा राज्य खाद्य निगम को सीएमआर आपूर्ति नहीं की गई है। जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा शेष सभी पैक्स जिनका सीएमआर लंबित है, उनको निर्देश दिया कि विभाग द्वारा विस्तारित अवधि 30 सितंबर तक सीएमआर आपूर्ति करना सुनिश्चित करें, अन्यथा आगामी पैक्स चुनाव हेतु उन्हें डिफाल्टर घोषित कर दिया जायेगा साथ ही नीलम पत्र की कार्रवाई भी की जायेगी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वरचित काव्य प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय राजभाषा प्रकोष्ठ तथा हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में स्वरचित काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित स्वरचित काव्य प्रतियोगिता के निर्णायक समिति में हिंदी विभाग के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह बडगूजर,समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ.अनुपम वर्मा , पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉक्टर मधु पटेल एवं वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉक्टर रवीश चंद्र वर्मा उपस्थित रहे। शिक्षाशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ रश्मि श्रीवास्तव कार्यक्रम की संयोजक थी तथा स्वागत वक्तव्य दिया। हिंदी विभाग की प्रियंका सिंह एवं अपराजिता , अमनदीप कार्यक्रम के सह-संयोजक थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह बडगूजर ने कार्यक्रम में उपस्थित निर्णायक समिति एवं सभी प्रतियोगियों को शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही ज्ञानग्रह पत्रिका की अगले अंक की घोषणा की गई। समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉक्टर अनुपम वर्मा ने हिंदी भाषा के प्रति अपनी रुचि दिखाई और अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। .उन्होंने कहा कि कविता ज्ञान की भाषा है जो अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाती है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ मधु पटेल ने भी सभी प्रतियोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉक्टर रवीश चंद्र वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी तथा अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया।विश्वविद्यालय के राजभाषा अधिकारी श्रद्धानंद पांडेय ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के अवसर पर लोकेश पांडेय, निखिल पांडेय, मनीष दिवाकर, कुलदीप , मुकेश , संजीत , आशीष कुमार , विवेक , अनुराग , आयुष रंजन, रूपेश , संजना पांडेय , कविता ,मदन सिन्हा ने अपनी कविता प्रस्तुत की। स्वरचित काव्य प्रतियोगिता के विजेताओं का नाम घोषित किया गया। जिसमें सांत्वना पुरस्कार निखिल पांडेय, तृतीय पुरस्कार संजीत , द्वितीय पुरस्कार लोकेश पांडेय तथा प्रथम पुरस्कार मनीष दिवाकर को प्रदान करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की शोधार्थी प्रियंका सिंह ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम का सफल संचालन हिंदी विभाग की शोधार्थी अपराजिता द्वारा किया गया।

अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का हुआ उद्घाटन

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र बैरियाडीह पंचायत में सोमवार को भारत मिशन (ग्रामीण) लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया गया। इसका उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान, मुखिया छठीया देवी ने फिता काटकर संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ मनोज पासवान ने बताया कि इस अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई के द्वारा पंचायत में विभिन्न टोला से कचरा का उठाव कर उसे यहां लाया जाएगा और फिर उसे उपयोगी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए ठेला और ई-रिक्शा का प्रबंध किया गया है। इस कार्य के लिए कर्मियों को भी नियुक्त किया गया है, गीला और सूखा कचरा रखने की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। इस प्रसंस्करण इकाई के उद्घाटन हो जाने से अब गांव में भी इधर-उधर कचरा नहीं फैलेगा और प्रदूषण से बचाव होगा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान, स्थानीय मुखिया छठीया देवी, मुखिया पति ललन सहनी, उप मुखिया राकेश कुमार दास, वार्ड सदस्य गुड्डू सहनी, इस्लाम मिया आदि सैकड़ो जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित थे।

30 सितंबर तक राशनकार्ड से ई-केवाईसी कराने का आखिरी दिन

एमओ ने बैठक कर ई-केवाईसी कार्य प्रगति की समीक्षा की

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी खुशबू कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को राशनकार्ड में ई-केवाईसी कार्य प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान इस कार्य में और तेजी लाने को लेकर संबंधित सभी जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं को निदेशित किया गया। केसरिया में आयोजित इस बैठक में प्रखण्ड क्षेत्र सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि राशनकार्ड में अंकित सभी सदस्यों का ई-केवाईसी करना अनिवार्य है। इसके लिए 30 सितंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने मौजूद सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को निदेशित करते हुए कहा कि अपने अपने क्षेत्र के राशनकार्ड लाभुकों का शत प्रतिशत ई-केवाईसी करना सुनिश्चित करें। इसके लिए लाभुकों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इकेवाईसी नहीं कराने की स्थिति में उन लाभुकों का नाम राशनकार्ड से विलोपित करते हुए खाद्यान के लाभ से वंचित कर दिया जाएगा। निर्धारित तिथि तक अगर लाभुक राशनकार्ड में ई-केवाईसी नहीं कराते हैं तो वे स्वयं इसके जिम्मेवार होंगे। बैठक में जनवितरण प्रणाली विक्रेता भोला राय, सुदिष्ट प्रसाद, ब्रजेन्द्र किशोर पाठक, लगनदेव साह, अविनाश कुमार, सुजय कुमार, प्रभू मांझी, संतोष कुमार, जितेंद्र कुमार, राकेश रंजन, सत्य प्रकाश सहित अन्य मौजूद थे।

मिशन परिवार विकास अभियान के तहत परिवार नियोजन मेले का हुआ उद्घाटन

परिवार नियोजन के लिए पुरुष नसबंदी है आसान प्रक्रिया

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में मिशन परिवार विकास अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तुरकौलिया में परिवार नियोजन मेले का उद्घाटन गन्ना मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने किया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तुरकौलिया में 12 महिलाओं का बंध्याकरण भी किया गया। मंत्री श्री पासवान ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए क्षेत्र के लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे परिवार नियोजन एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन होते रहना चाहिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अर्जुन कुमार गुप्ता एवं बीसीएम विमलेन्दु शेखर ने बताया कि आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जागरुक करने पर मेले में 12 महिलाओं ने बंध्याकरण कराई। प्रभारी डॉ. अर्जुन कुमार गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर प्रत्येक माह की 21 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के मौके पर गर्भवती महिलाओ के स्वास्थ्य की जाँच की जाती है। जनसंख्या नियंत्रण हेतु बच्चों में अंतर व पहला बच्चा में थोड़ा देरी करने की सलाह दी जाती है। बीसीएम विमलेन्दु शेखर ने बताया कि 12 अंतरा इंजेक्शन लगाया गया। वहीं 29 छाया, 18 माला एन तथा 120 कन्डोम वितरित किए गए। डीसीएम नंदन झा ने बताया कि सभी प्रखण्ड सामुदायिक उत्प्रेरक परिवार कल्याण परामर्शी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को मिशन परिवार विकास अभियान के तहत 30 सितम्बर तक का वांछित लक्ष्य प्राप्त करने के संबंध में राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार से पत्र निर्गत किया गया है। सभी आशा को निदेशित किया गया है कि अभियान के दौरान एक-एक महिला बध्याकरण करवाना अनिवार्य है। सभी फैसिलिटेटर अपने समूह से 10 महिला बंध्याकरण एवं प्रत्येक फैसिलिटेटर 2 पुरुष नसबन्दी करना सुनिश्चित करें। कार्य क्षेत्र में अंतरा सुई, पपीआईयूसीडी, छाया, कण्डोम का वितरण करवाना सुनिश्चित किया जाए। परिवार नियोजन में पुरुषों को भी नसबंदी में भाग लेने की आवश्यकता है, क्योंकि पुरुष नसबंदी कम समय एवं बिना चीरा-टाका के आसानी से हो जाने वाली प्रकिया है।

अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के तत्वावधान में विजयोत्सव समारोह 13 अक्टूबर को

मोतिहारी में स्थापित होगी महाराजा हेमचन्द्र की प्रतिमा

बीएनएम। मोतिहारी

भारत के आखिरी हिन्दू सम्राट महाराजा हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू शाह की विजयोत्सव दिवस के अवसर पर हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी हेमू विजयोत्सव समारोह का आयोजन आगामी 13 अक्टूबर को अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा, पूर्वी चम्पारण के तत्वावधान में मोतिहारी के विशाल विवाह भवन के प्रांगण में किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम की तैयारी हेतु रविवार को देर शाम तक जिला जिलाध्यक्ष कैलाश गुप्ता के आवास पर संचालित कार्यालय में महासभा के संयोजक देवनारायण गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों के विचारोंपरांत दसहरा पूजा के मद्देनजर विजयोत्सव समारोह का आयोजन 7 अक्टूबर के बजाय 13 अक्टूबर को करने का निर्णय लिया गया। बैठक में लिए गए विचारोंपरांत यह तय हुआ कि समारोह में जिला के सभी प्रखंड व पंचायत स्तर तक के रौनियार बंधुओं को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में जिलाध्यक्ष कैलाश गुप्ता सहित लालबाबू प्रसाद, सुमन कुमार उर्फ मांसा जी, मनीष कुमार, प्रमोद गुप्ता, हृदय गुप्ता, बंटी गुप्ता, अशोक सम्राट, रामशंकर प्रसाद उर्फ गुड्ड जी, राजकुमार प्रसाद, गोरखनाथ प्रसाद, विकास प्रसाद रौनियार, वेदप्रकाश गुप्ता, शिवजी प्रसाद, अरविंद गुप्ता, राजू गुप्ता, नारायण प्रसाद, ओमप्रकाश गुप्ता, रमेश गुप्ता, सुरेश प्रसाद, नंदकिशोर प्रसाद, संजय कुमार, श्यामबाबू प्रसाद, मुकेश कुमार, छोटेलाल प्रसाद आदि उपस्थित रहे। वही बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी वर्ष में 7 अक्टूबर 2025 के विजयोत्सव समारोह के पूर्व ही जिला मुख्यालय मोतिहारी में प्रशासनिक सहयोग से जगह चिन्हित कर महाराजा हेमचंद्र विक्रमादित्य की प्रतिमा स्थापित करायी जायेगी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के शुभ अवसर पर केंद्रीय मंत्री और विधायक ने बगहा व वाल्मीकिनगर विधानसभा में सदस्यता अभियान चलाया

बीएनएम। बगहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भजपा द्वारा चलाये जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे, बगहा विधायक राम सिंह और जिलाध्यक्ष भूपेंद्र नाथ तिवारी एवं बगहा भाजपा सांगठनिक जिला के वाल्मीकिनगर विधानसभा, चौतरवा मंडल, परसौनी मंडल, मधुबनी, एवं भितहा मंडल ने, विभिन्न स्थानों पर जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ सदस्यता अभियान चलाया है। 17 सितम्बर 2024 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर पूरे देश मे भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है। साथ हीं भाजपा का सदस्यता अभियान भी चल रहा है। सोमवार को बगहा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत परसौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य शिविर एवं आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन किया गया और क्षेत्र के मझौवा ग्राम में स्वास्थ्य शिविर के साथ साथ सदस्यता अभियान भी चलाया गया। क्षेत्र के पतिलार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी आयुष्मान कार्ड शिविर एवं सदस्यता अभियान भी चलाया गया साथ हीं बसवरिया पंचायत सरकार भवन में भी आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। वाल्मीकिनगर विधानसभा में मुलाडीह, भीतहा ब्लॉक कार्यालय में, पिपरासी प्रखंड के मंझरिया में और धनहा के मुसहरटोली में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने गरीबी रेखा के परिवार में सभी लोगों की चिंता करते हुए आयुष्मान कार्ड अलग अलग बने और अलग अलग कार्ड से पांच लाख रुपये तक का ईलाज हो सके इसकी चिंता की है। स्थानीय विधायक राम सिंह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी सोच के कारण हीं ऐसे जनकल्याणकारी योजनायें धरातल पर दिख रहे हैं। बगहा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र नाथ तिवारी ने योजनाओं को विस्तार से समझाते हुए कहा कि सभी वर्ग के 70 वर्ष के पुरूष एवं 06 वर्ष की महिलाएं भी इस शिविर में बिना राशन कार्ड के आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। मौके पर कार्यक्रम के प्रभारी शिपु चैबे, पूर्व मंत्री राजेश सिंह, रविन्द्र श्रीवास्तव,श्रीकांत हलधर, जिला उपाध्यक्ष ऋतु जायसवाल, चंद्रभूषण सिंह, नंदकिशोर राम, महामंत्री अचिंत्य कुमार लल्ला, सुजीत चौरसिया, दीपु तिवारी, मंडल अध्यक्ष ब्रजेश प्रसाद गुप्ता, उमेश सिंह, अरविंद दुबे, अजय चौबे, विजय साहू, प्रमोद प्रसाद काजू, दिनेश राव, मंटु दुबे,दीपु शाही, पप्पू राव, अमित मिश्रा, बबलू मिश्र, बब्लू यादव, दीपु जायसवाल, अमित पाण्डे,रविन्द्र यादव, हिरालाल पटेल आदि अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश और देशवासियों की चिंता करने वाला कौन?

भारत की राजनीति के मौजूदा स्तर को देखकर आज देश का हर बुद्धिजीवी जागरूक नागरिक हैरान और परेशान है, क्योंकि यहां पक्ष और विपक्ष दोनों ही स्तर के राजनेता देश की नहीं, अपनी राजनीति में व्यस्त है, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता, जहां मोदी जी के शासन के दशक के जश्न के नशे में खोए है, जो प्रतिपक्ष के नेता विदेशों में जाकर भारत के निंदागान में व्यस्त है, अब ऐसे में देश और उसके देशवासियों के बारे में चिंता करने वाला कोई नही है, सभी अपनी आत्म प्रशंसा व अपने सुनहरे राजनीतिक भविष्य के रंगीन सपनों में खोए है, जबकि आम देशवासी को अपनी और अपने परिवार की चिंता से ही फुर्सत नही है, अर्थात कुल मिलाकर देश में प्रजातंत्र मात्र एक मीठी औपचारिकता बनकर रह गया है और देश के रहनुमां अपनी मौज मस्ती में उसी प्रजातंत्र का मजाक उड़ा रहे है, आखिर यह स्थिति देश को कहां ले जाकर खड़ा करेगी, अजा न तो सत्तापक्ष अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन कर रहा है और न ही प्रतिपक्ष, आज देश के जागरूक बुद्धिजीवियों के लिए यही सबसे बड़ा चिंता का विषय है। अब दिनों-दिन देश के आम नागरिक के लिए जीवन यापन भी मुश्किल होता जा रहा है, देश आज दो वर्गों में स्पष्ट विभाजित नजर आता है, एक वर्ग वह जो सत्ता व प्रतिपक्ष की राजनीति से जुड़कर शोषक बना हुआ है, तो दूसरा वर्ग वह जो ईश्वर पर आस्था रख जैसे तैसे अपना जीवन बसर कर रहा है। ज्.और जहां तक देश के आधुनिक भाग्यविधाताओं (राजनेताओं) का सवाल है, वे इन्हीं असहाय व लाचार वग्र के नाम पर अपनी राजनीतिक चालें चलकर मौज-मस्ती कर रहे है और उन्हें देश या देशवासियों की कोई चिंता नही है, आजादी की हीरक जयंती हम इसी माहौल में मनाने को मजबूर है। यदि हम हमारे भाग्यविधाताओं (राजनेताओं) की मौजूदा भूमिकाओं की ही बात करें तो ताजा उदाहरण कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी का ताजा अमेरिकी दौरा है, वहां उनके द्वारा दिए गए बयानों से तो ऐसा लगता है कि वे अमेरिका सिर्फ और सिर्फ भारत की बुराईयां ही करने गए है वैसे जहां तक राहुल जी का सवाल है, उनका हमेशा विवादों से ही नाता रहा है, उनके विवादित होने में मैं उनको दोषी इसलिए नही मानता क्योंकि उन्हें राजनीति की वह वास्तविक ट्रेनिंग नही मिल पाई जो मिलना चाहिए न उन्हें यह ट्रेनिंग उनकी दादी इंदिरा जी दे पाई और उनके पिता राजीव गांधी, अब वे जो भी राजनीति कर रहे है, वे अपनी ही सूझबूझ से कर रहे है, जिसमें ऐसी गलतियां होना स्वाभाविक है्र इसलिए इसके लिए राहुल जी को दोष देना मैं ठीक नही समझता, शायद उनके सत्ता सलाहकार भी अपने अस्तित्व के भविष्य की चिंता के कारण उन्हें सही सलाह नही दे पा रहे है। भारत के राजनीतिक पंडितों का यह भी मानना है कि मोदी जी की राजनीतिक मजबूती का मुख्य स्त्रोत प्रतिपक्ष की कमजोरी ही है, आज जो देश में प्रतिपक्ष नजर आ रहा है, वह अपने मूल दायित्वों को इसलिए ठीक से नही निभा पा रहा है क्योंकि उसे अपने स्वयं के अस्तित्व की भी चिंता है और साथ ही अपने आप पर भरोसा भी नही है, इसी कारण मोदी जी के शासन का एक दशक सफलता पूर्वक पूरा हो गया और यही स्थिति रही हो गृहमंत्री अमित शाह की 2029 की भविष्यवाणी भी सच हो जाएगी पर फिर प्रतिपक्ष कहां होगा, यह कल्पना ही व्यर्थ है?

केजरीवाल को सत्ता से हटाने की व्यूह

अब जबकि 2025 का चुनाव बमुश्किल पांच महीने दूर है, लगता है कि केंद्र ने अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए केजरीवाल को सत्ता से हटाने की व्यूह रचना की है। दिल्ली में जल्द ही राष्ट्रपति शासन लगने की चर्चाएं जोरों पर हैं। अरविंद केजरीवाल लंबे समय से केंद्र सरकार और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की आंख में कांटा है। उनसे मुक्ति पाने के लिए भाजपा ने कई बार जोर लगाया, लेकिन अब तक नाकाम रही है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में भी पार्टी ने आम आदमी पार्टी को हराने की कोशिश में अपनी पूरी ताकत लगाई थी। लेकिन अब जबकि 2025 का चुनाव बमुश्किल पांच महीने दूर है, लगता है कि केंद्र ने अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए केजरीवाल और आ.आ.पा. को सत्ता से हटाने की व्यूह रचना की है। भाजपा पिछले कई महीनों से कहती आ रही है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े आरोपों के चलते जेल में होने के बावजूद इस्तीफा नहीं दे रहे हैं, जिससे दिल्ली में संवैधानिक संकट पैदा हो गया है। अगस्त में दिल्ली के भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलकर उन्हें एक चिठी सौंपी। इसमें मांग की गई कि संवैधानिक संकट को देखते हुए दिल्ली सरकार को बखर्स्त किया जाए और राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक राष्ट्रपति ने इस मामले पर कार्रवाई के लिए विधायकों की चिठी केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी है। तब से सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली में वाकई राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाएगा। राष्ट्रपति शासन संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत लगाया जाता है।

एक नेशन-एक इलेक्शन, राजनेताओ का टेशन

विनोद कुमार सिंह

विश्व के विशालत्तम लोकतंत्र भारत के चहूँ दिशाओं में एक ही गरमा गर्म चर्चा व चिन्तन हो रही है। अब यह मुद्दा लोकतंत्र का महापर्व चुनाव तक सीमित ना रह कर राजनीतिक दलों में बहस का मुद्दा बन गया है। विगत दिनों मोदी कैबिनेट ने वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद वन नेशन-वन इलेक्शन के लाभ और नुकसान पर गर्मा गर्म बहस छिड़ सी गई है। ऐसे में जनता जर्नादन के कई सबाल एक नेशन एक इलेक्शन के कितने लाभ और कितने नुकसान,मोदी सरकार व सतारूढ़ सहयोगी राजनीतिक दलो के लिए यह मोदी मिशन है,वही काँग्रेस समेत 15विपक्षी राजनीतिक दलों व क्षेत्रीय दलों के लिए टेशन है। आप को बता दे कि एक राष्ट्र-एक चुनाव की नीति के तहत लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। इस संदर्भ में मोदी सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र यानी नवंबर -दिसंबर में इस बारे में बिल पेश करेगी। सर्व विदित रहे कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली कमेटी ने इस पर मार्च में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। कमेटी ने सिफारिश की थी कि लोकसभा और राज्यों के विधान सभा चुनाव एक साथ संपन्न होने के100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव हो जाने चाहिए। वन नेशन-वन इलेक्शन का मतलब है कि भारत में लोक सभा और सभी राज्यों के विधान सभा चुनाव एक साथ कराए जाएं। साथ ही स्थानीय निकायों के चुनाव भी एक ही दिन या एक तय समय सीमा में कराए जाएं। पी एम मोदी लंबे समय से वन नेशन वन इलेक्शन की वकालत करते आए हैं। उन्होंने कहा था कि चुनाव सिर्फ तीन या चार महीने के लिए होने चाहिए,पूरे 5 साल राजनीति नहीं होनी चाहिए। साथ ही चुनावों में खर्च कम हो और प्रशासनिक मशीनरी पर बोझ न बढ़े। इसके पीछे मोदी सरकार का तर्क है कि इससे जनता को बार-बार के चुनाव से मुक्ति व चुनावी खर्च बचेगा और वोटिंग परसेंट में इजाफा होगा। सरकारें बार-बार चुनावी मोड में जाने की बजाय विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। प्रशासन को भी इसका फायदा मिलेगा,अधिकारियों का समय और एनर्जी बचेगी। इसका बड़ा आर्थिक फायदा भी है। सरकारी खजाने पर बोझ कम होगा और आर्थिक विकास में तेजी आएगी। आप के सबाल होगे कि वन नेशन-वन इलेक्शन का सुझाव किसने व कब दिया। आपको बता दे कि केन्द्र सरकार नें विगत दिनों पूर्व वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को कमेटी बनाई गई थी। कोविंद की कमेटी में गृह मंत्री अमित शाह,पूर्व सांसद गुलाम नबी आजाद,जाने माने वकील हरीश साल्वे,कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी,15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, पॉलिटिकल साइंटिस्ट सुभाष कश्यप,पूर्व केंद्रीय सतर्कता आयुक्त(CVC) संजय कोठारी समेत 8 मेंबर हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कमेटी के विशेष सदस्य बनाए गए हैं। कमेटी ने इसके लिए 62 राजनीतिक पार्टियों से संपर्क किया। इनमें से 32 पार्टियों ने वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन किया। वहीं,15 दलों ने इसका विरोध किया था। जबकि 15 ऐसी पार्टियां भी थीं,जिन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। 191दिन की रिसर्च के बाद कमेटी ने 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी. कमेटी की रिपोर्ट 18 हजार 626 पेज की है। कोविंद समिति के सिफारिशें पर नजर डाल लेते है। वन नेशन -वन इलेक्शन की ओर बढ़ने के लिए सरकार को एक बार ही एक बड़ा कदम उठाना होगा। इसके तहत केंद्र सरकार लोकसभा चुनाव 2029 के बाद एक तारीख तय करेगी। इस तारीख पर ही सभी राज्यों की विधानसभाएं भंग हो जाएंगी। इसके बाद पहले फेज में लोकसभा के टर्म के हिसाब से सभी विधानसभाओं के चुनाव कराए जाएंगे। इसके 100 दिन के अंदर दूसरे फेज में नगर निकाय और पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। इन सभी चुनावों के लिए एक ही वोटर लिस्ट होगी। लोकतंत्र में कोई सरकार गिर भी सकती है. ऐसे में अविश्वास प्रस्ताव के कारण लोकसभा या किसी विधानसभा के भंग होने पर ये सुझाव दिया गया है कि नए चुनाव उतने ही समय के लिए कराए जाएं, जितना समय सदन का बचा हुआ है। इसके बाद लोकसभा के साथ फिर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। इस कानून को पास कराने के लिए 18 संवैधानिक संशोधन ज़रूरी होंगे ज़्यादातर संशोधनों में राज्यों की मंजूरी जरूरी नहीं है। इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ने से पहले देश भर में जनता और अलग-अलग नागरिक संगठनों की राय ली जाएगी । वन नेशन वन इलेक्शन के रास्ते में सबसे पहले तो संसद में ही चुनौती आएगी। एक देश एक चुनाव के लिए कई संवैधानिक संशोधनों की ज़रूरत होगी। इसके लिए संसद के दोनों ही सदनों में सरकार के सामने दो-तिहाई बहुमत जुटाने की चुनौती है। राज्यसभा में सरकार के पास पूर्ण बहुमत नहीं है। 245 सीटों में से एन डी ए (NDA)को 112 सीटें ही हासिल हैं,जबकि दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 164 पर होगा। लोकसभा में भी 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 362 है,जबकि एनडीए (NDA)के पास 292 सीटें ही हैं। हालांकि,दो-तिहाई बहुमत का फैसला वोटिंग में हिस्सा लेने वाले सदस्यों की संख्या के आधार पर तय होता है। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर संघवाद की चिंता भी है। कुछ जानकारों का कहना है कि इससे भारत की राजनीतिक व्यवस्था के संघीय ढांचे पर असर पड़ेगा। राज्य सरकारों की स्वायत्तता कम होगी। विधि आयोग भी मौजूदा संवैधानिक व्यवस्था में एक साथ चुनाव की व्यावहारिकता पर सवाल उठा चुका है। व्यावहारिक तौर पर देखा जाए तो एक साथ चुनाव कराने में भारी मात्रा में संसाधनों की ज़रूरत पड़ेगी, जिसका इंतजाम करना चुनाव आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती है। एक साथ चुनाव कराने के लिए बड़ी मात्रा में ई बी एम(EVM) और ट्रेंड लोगों की ज़रूरत पड़ेगी.ताकि पूरी चुनावी प्रक्रिया ठीक से पूरी की जा सके। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का भी सवाल है। अक्सर होने वाले चुनावों के ज़रिए जनता समय-समय पर अपनी पसंद तय कर सकती है, लेकिन अगर सिर्फ 5 साल बाद ऐसा होगा,तो जनता की इस पसंद को ज़ाहिर करने में दिक्कत आएगी। इससे एक पार्टी के प्रभुत्व का ख़तरा बढ़ जाएगा। कई अध्ययन बताते हैं कि जब भी एक साथ चुनाव होते हैं,तो एक ही पार्टी के राष्ट्रीय और राज्य चुनावों के जीतने की संभावना बढ़ जाती है। जिससे स्थानीय और राष्ट्रीय मुद्दों में घालमेल हो जाता है। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर कई कानूनी पेचीदगियां हैं। कई जानकारों का कहना है कि एक देश एक चुनाव के कानून को कई संवैधानिक सिद्धांतों पर भी खरा उतरना पड़ेगा। अगर एक देश,एक चुनाव होता है तो ये चुनाव प्रक्रिया पांच साल में एक ही बार होगी या फिर बीच में कुछ विधानसभाएं भंग हुईं,तो उतनी बार चुनाव होंगे। समिति ने अपनी सिफारिशों में कहा कि त्रिशंकु स्थिति या अविश्वास प्रस्ताव या ऐसी किसी स्थिति में नयी लोकसभा के गठन के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। समिति ने कहा कि लोकसभा के लिए जब नये चुनाव होते हैं,तो उस सदन का कार्यकाल ठीक पहले की लोकसभा के कार्यकाल के शेष समय के लिए ही होगा। जब राज्य विधानसभाओं के लिए नए चुनाव होते हैं,तो ऐसी नयी विधानसभाओं का कार्यकाल(अगर जल्दी भंग नहीं हो जाएं)लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल तक रहेगा। समिति ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 83(संसद के सदनों की अवधि)और अनुच्छेद172(राज्य विधानमंडलों की अवधि)में संशोधन की आवश्यकता होगी। समिति ने कहा,इस संवैधानिक संशोधन की राज्यों द्वारा पुष्टि किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उसने यह भी सिफारिश की कि भारत निर्वाचन आयोग राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से एकल मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करे। समिति ने कहा कि इस उद्देश्य के लिए मतदाता सूची से संबंधित अनुच्छेद 325 को संशोधित किया जा सकता है। आप को बता दें कि वन नेशन-वन इलेक्शन व्यवस्था लागू करने में चुनौतियां भी कम नहीं है। एक देश एक चुनाव के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ेगा। इसके बाद इसे राज्य विधानसभाओं से पास कराना होगा। वैसे तो लोक सभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल पाँच साल का होता है लेकिन इन्हें पहले भी भंग किया जा सकता है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि अगर लोक सभा या किसी राज्य की विधानसभा भंग होती है तो एक देश,एक चुनाव का क्रम कैसे बनाए रखें। अपने देश में ईवीएम और वीवीपैट से चुनाव होते हैं,जिनकी संख्या सीमित है। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग-अलग होने से इनकी संख्या पूरी पड़ जाती है। एक साथ लोक सभा और विधानसभाओं के चुनाव होंगे तो अधिक मशीनों की जरूरत पड़ेगी। इनको पूरा करना भी चुनौती होगी। देश में एक साथ चुनाव के लिए ज्यादा प्रशासनिक अफसरों और सुरक्षाबलों की जरूरत को पूरा करना भी एक बड़ा सवाल बनकर सामने आएगा।

हम आपको बता दें कि वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए सभी राजनीतिक दलों के अलग-अलग विचार हैं,इस पर एक राय नहीं बन पा रही है। कुछ राजनीतिक दलों का मानना है कि ऐसे चुनाव से राष्ट्रीय दलों को तो फायदा होगा,लेकिन क्षेत्रीय दलों को इससे नुकसान होगा। खासकर क्षेत्रीय दल इस तरह के चुनाव के लिए तैयार नहीं हैं। इनका यह भी मानना है कि अगर वन नेशन-वन इलेक्शन की व्यवस्था की गई तो राष्ट्रीय मुद्दों के सामने राज्य स्तर के मुद्दे दब जाएंगे।

सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

आर.के. सिन्हा

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि; सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार- पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं। भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल क्रॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि; युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा। दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल-जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं। क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी

है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर-दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है। वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में, जब औसत उम्र कम थी, तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़कर 58 वर्ष हुई, और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष हुआ। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए। अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

मेष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा। आज आपको शहर में जॉब करने के नए अवसर मिलेंगे। लवमेट्स में पहले से चली आ रही गलत फहमियाँ आज ख़त्म होंगी, रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। किस्मत का साथ मिलने में परेशानी आ सकती है, इसलिए मेहनत से काम करें, किसी के सहारे न बैठें।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढने की कोशिश करें। मेहनत, धैर्य और समझदारी से काम निपटा लेंगे। आपके पास बहुत-सी जिम्मेदारियां हो सकती हैं। आप व्यस्त हो सकते हैं। धैर्य से काम लें। आज संतान, परिवार के सदस्य और दोस्तों के साथ समय बीत सकता है। आज का दिन आपके लिए संतोषजनक होगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपमें चुस्ती फुर्ती रहेगी, आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज बिना किसी मदद के भी आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। आज की शाम अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या घूमना आपको सुकून देगा और खुशमिजाज बनाए रखेगा।

कर्क राशि-आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पडऩे से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनओ को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। घर के बड़ो से कोई नई बात आप सीखेंगे।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। दूसरों की भावनाएं समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज अपनी भाषा में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है। आज बड़े लोगों से मुलाकात के योग बन रहे हैं। नया काम शुरू होने से आपकी उत्सुकता बढ़ेगी । नई चीजें सीखेंगे।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। दूसरों की भावनाएं समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज अपनी भाषा में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है। आज बड़े लोगों से मुलाकात के योग बन रहे हैं।

तुला राशि-आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से.. आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस होने की संभावना बन रही है। आपके क्रोध से कोई बना हुआ काम.. बिगड़ भी सकता है, इसलिए आपको अपने गुस्से पर पूरा कण्ट्रोल रखना चाहिए 7 खुद को मानसिक रूप से फिट रखने के लिये आपको मैडिटेशन की हैबिट डालनी चाहिए।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। धैर्य और समझदारी रखें। परिवार के कामों में आपका कुछ् धन खर्च हो सकता है। कोई भी फैसला शांति से लें। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा। सुबह के समय वर्क आउट शुरू करने से आप.. चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर मिलेंगे।

धनु राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्रोग्राम सफल होगा। आज घर के बड़े-बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी। आज आपको अपनी मनपसंद चीज मिल सकती है।

मकर राशि- आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। सही योजना के तहत.. आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम रहेंगे। आप अपने काम व जीवन के बीच बैलेंस बनाये रखेंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा।

कुंभ राशि-आज आपका दिन रोज की अपेक्षा ज्यादा अच्छा रहेगा। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद.. लाभ का योग बना रहेगा। बेवजह की भाग दौड़ से बचें। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान होगा 7 आपके अच्छे काम से उच्चाधिकारी खुश होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा।

मीन राशि-आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डीनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे।

शब्द सामर्थ्य -187

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हदर, डर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अहेरी 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 186 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना						ज
मा	ह		रा		सा	ज		न
न		स	ह	दे	व		म	द
व			म		व	न	ज	ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

सू- दोकू क्र.187

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3			
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है। 3. बाएं से दाएं, और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 186 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत ख़बरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

इंटर्नशिप करियर की राह बनाए आसान

किसी भी प्रोफेशनल कोर्स का एक अहम हिस्सा बन चुका है इंटर्नशिप। इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है, जो फ्रेशर्स के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है। इंटर्नशिप के दौरान उन्हें कॉरपोरेट कार्य का व्यावहारिक अनुभव होता है। ऐसी बातें जो वह केवल अपने कॉलेजों की पाठ्यपुस्तकों में पढ़ते हैं, इंटर्नशिप उसका प्रैक्टिकल है।

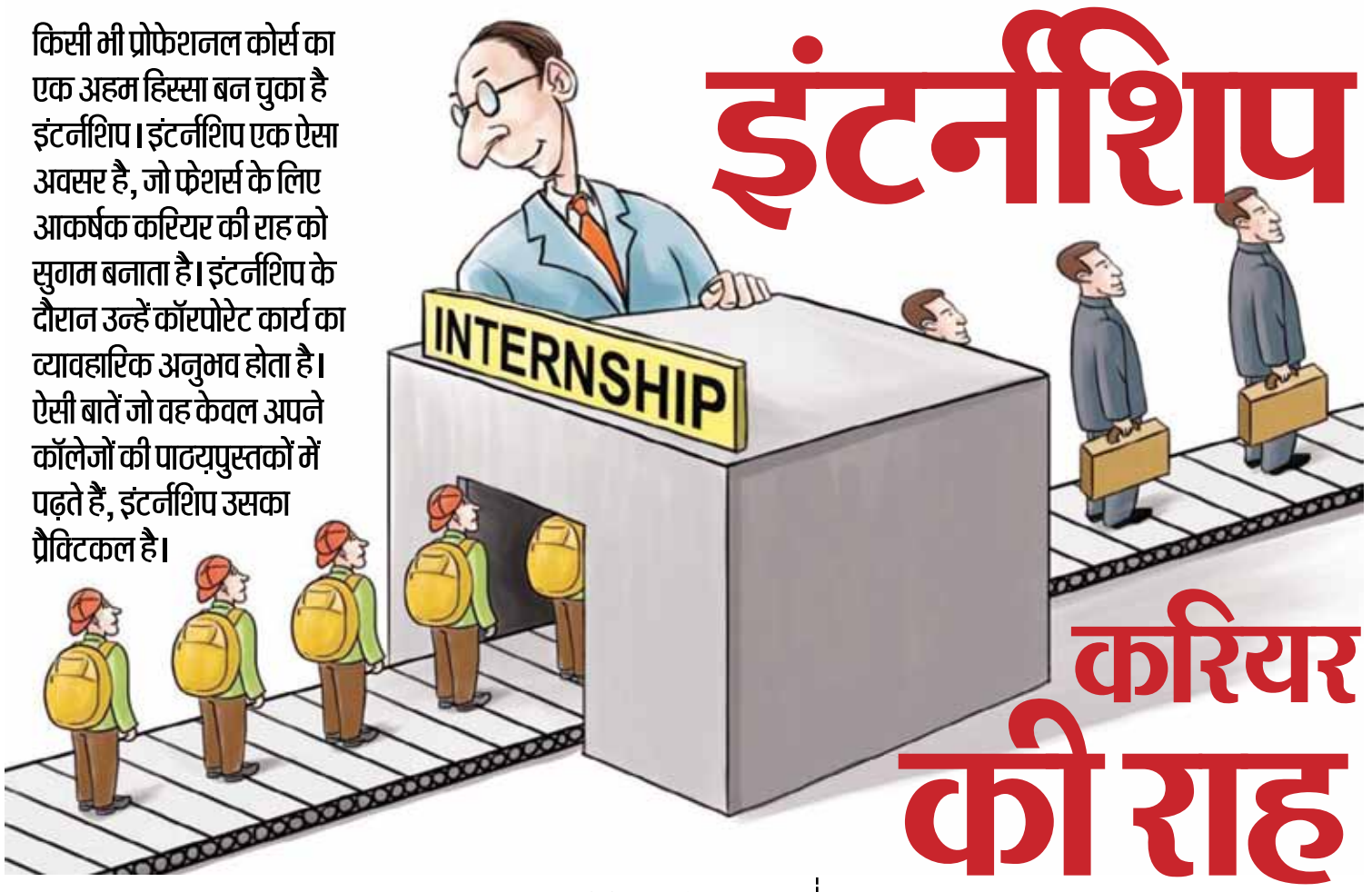

अधिकतर नियुक्तिकर्त्ता इस बात पर सहमत नजर आते हैं कि पाठ्यपुस्तकों की सामग्री काम के लिए उस व्यावहारिक दक्षता को उत्पन्न करने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहती, जो किसी उम्मीदवार के लिए कार्यस्थल पर जरूरी होती है। यही कारण है कि इंटर्नशिप फिर चाहे वह पढ़ाई के दौरान हो या फिर कोर्स पूरा कर लेने के बाद, फ्रेशर्स के लिए बेहद उपयोगी साबित होती है। यदि आप भी बतौर फ्रेशर कहीं इंटर्नशिप कर रहे हैं तो इस अवधि का इस्तेमाल अधिक से अधिक सीखने में लगाएं।

सिद्धांत और व्यवहार में सामंजस्य बनाएं

आपकी पाठ्यपुस्तकें और टर्म असाइनमेंट आपको वास्तविक कार्यस्थिति का अनुभव देने के लिए नमूना भर हैं। किसी संगठन में बतौर इंटर्न आपको यह सीखने को मिलता है कि आपके अन्य सहकर्मी किस तरह विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर काम करते हैं। इस तरह आपको कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को व्यवहार में लागू करने का अवसर मिलता है।

नेटवर्क विकसित करें

करियर की राह में पहले कदम के तौर पर इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत आपको प्रोफेशनल नेटवर्क विकसित करने में मदद मिलती है। बाद के वर्षों में यह बात काफी फायदा पहुंचाने वाली साबित होती है। बतौर इंटर्न और ट्रेनी आपके सहकर्मी आप से अपने अनुभव बेहतर तरीके से बांटते हैं। यानी इंटर्नशिप के दौरान सुनें, सीखें और खुद का विकास करें।

अपने हित व दक्षता को समझो

फुलटाइम करियर बनाने से पहले इंटर्नशिप खुद की कार्य पद्धति, मजबूत और कमजोर पक्ष को क्षेत्र विशेष में सीखने और समझने का अच्छा अवसर है। कार्यस्थल पर काम करके आप यह समझ पाते हैं कि आप किस क्षेत्र में बेहतर काम कर सकते हैं और बाद में आपको किस काम के लिए आवेदन करना चाहिए।

रिज्यूमे को आकर्षक बनाएं

कई ऐसी कंपनियां हैं, जो फ्रेशर्स को अपने यहां रखती हैं और उन्हें प्रशिक्षण देती हैं। इस दृष्टि से इंटर्नशिप अपने रिज्यूमे को आकर्षक बनाने का अच्छा अवसर है। साथ ही आपको अपने दूसरे उम्मीदवारों से आगे निकलने का अवसर भी मिलता है।

मशरूम उत्पादन
युवाओं के लिए बेहतर व्यवसाय

मशरूम यानी खुंबी। इसे गांवों में छतरी व कुकरमुत्ता आदि नामों से जाना जाता है। दरअसल मशरूम को मृत कार्बनिक पदार्थों पर उगने वाला एक मृतजीवी कवक भी कहते हैं। यह खुंबी उत्पादन ग्रामीण युवाओं के लिए अच्छा व घरेलू व्यवसाय साबित हो सकता है।

शैक्षिक योग्यता

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयु सीमा व शैक्षिक ज्ञान संबंधी कोई अनिवार्यता नहीं होती, फिर भी तमाम तकनीकी पहलुओं को समझने के लिए मिडिल या दसवीं पास होना बेहतर है।

पाठयक्रम का स्वरूप

मशरूम उत्पादन में रुचि लेने वाले उम्मीदवारों के लिए देशभर के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों व कृषि अनुसंधान केंद्रों में साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक अवधि के कोर्स संचालित किए जाते हैं। इन पाठयक्रमों का उद्देश्य मशरूम उत्पादन की नई-नई तकनीक व बीजों की अच्छी नस्ल से परिचित कराना है।

विभिन्न किस्में

खुंबियों में एगैरिकस बाइपोरस, वालवैरियल्ला स्पीसिज, प्ल्यूरोटस स्पीसिज, लेन्टाइनस इडोसिस और फलैम्यूलाइना बेल्यूटाइप्स प्रमुख हैं, लेकिन भारत में पहली तीन खुंबियों की खेती की जाती है।

सरकारी ऋण व्यवस्था

मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाने वाले उम्मीदवारों को सरकार व राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता की व्यवस्था यह सहायता कृषि मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा दी जाती है। इसमें पांच लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता का प्रबंध है। गौरतलब है कि मशरूम उत्पादन से जुड़े एससी/ एसटी उम्मीदवारों को सरकारी ऋण में राहत की भी व्यवस्था है।

मशरूम के लिए जलवायु

मशरूम उत्पादन के लिए अलग-अलग जलवायु या वातावरण की आवश्यकता होती है। टेम्परेंट मशरूम के लिए 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान व 70 से 90 फीसदी नमी जरूरी है। इसका उत्पादन अक्तूबर से फरवरी के बीच ठीक रहता है। ऑयस्टर मशरूम के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तथा नमी 80 फीसदी से अधिक होनी चाहिए। इसके उत्पादन के लिए सितम्बर-अक्तूबर का महीना बेहतर माना जाता है। वॉल वैरियल्ला के लिए तापमान 30 से 40 डिग्री सेल्सियस व नमी 80 से ज्यादा होनी चाहिए। इसका उत्पादन अप्रैल से अक्तूबर के बीच किया जाता है। मशरूम उत्पादन में जलवायु का खास महत्त्व है, अत- इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

मशरूम - पौष्टिक आहार

मशरूम एक पौष्टिक आहार है। इसमें खनिज, लवण, विटामिन तथा एमीनो एसिड जैसे पौष्टिक तत्त्व पाए जाते हैं। मशरूम हृदय रोग एवं मधुमेह जैसी बीमारियों के इलाज में सहायक है। मशरूम में फोलिकएसिड तथा लावणिक तत्त्व पाए जाते हैं, जो खून में लालकण बनाने में मददगार होते हैं।

गृह विज्ञान
आधुनिक महिला का आदर्श करियर

गृह विज्ञान, विज्ञान भी है और कला भी। गृह विज्ञान का करियर आज की प्रगतिशील व आधुनिक खयालों वाली महिला के लिए आदर्श करियर है। उनके लिए बेहतर विकल्प है, जिनके पास सौंदर्य-बोध है, समकालीन कला की समझ है और आधुनिक हाउसकीपिंग को लेकर जिज्ञासा है।

गृह विज्ञान का नाम आते ही एक ऐसे विषय का भान होता है, जिससे घर को बनाने-संवारने में मदद मिलती है। यह विज्ञान भी है और कला भी। गृह विज्ञान का करियर आज की प्रगतिशील व आधुनिक खयालों वाली महिला के लिए आदर्श करियर है। उनके लिए बेहतर विकल्प है, जिनके पास सौंदर्य-बोध है, समकालीन कला की समझ है और आधुनिक हाउसकीपिंग को लेकर जिज्ञासा है। कोई भी गृह विज्ञान के पांच अंगों खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, मानव विकास, वस्त्र विज्ञान और संचार में से किसी में भी विशेषज्ञता हासिल कर सकता है या सबकी सामान्य समझ हासिल कर सकता है।

पाठयक्रम व योग्यता

इसमें स्नातक (ऑनर्स) की डिग्री लेने के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है, जिसमें विषय के रूप में पीसीबी का होना जरूरी है। पास कोर्स के लिए बारहवीं में वैकल्पिक विषय के रूप में गृह विज्ञान होना चाहिए। स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा के लिए किसी भी विषय से स्नातक होना जरूरी है। उन लोगों को वरीयता दी जाती है, जिन्होंने गृह विज्ञान में स्नातक किया हो। जहां तक व्यक्तिगत गुणों का सवाल है तो अभ्यर्थी में वैज्ञानिक दृष्टि का होना जरूरी है, रचनात्मकता और सौंदर्यबोध होना चाहिए, संवाद कला में निपुण होना चाहिए, घर का काम करने के प्रति स्वाभाविक रुझान होना चाहिए।

कहां हैं अवसर

जिन्होंने गृह विज्ञान से पढ़ाई की है, उन्हें प्रोडक्शन, पर्यटन, सेवा क्षेत्र, अध्यापन, तकनीकी या सेल्स में अवसर मिल सकते हैं। स्वरोजगार भी एक विकल्प है। इनके अलावा गैर-सरकारी संगठनों में भी अवसर मिलते हैं।

प्रोडक्शन इंडस्ट्री

इसमें शामिल है खाद्य संरक्षण, ड्रेस मेकिंग, स्पेशलाइज्ड कुकिंग, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग। इनके अलावा फूड इंडस्ट्री में या होटल में भी काम मिल सकता है।

पर्यटन व सेवा क्षेत्र

होटल व हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज में अवसर हैं। अस्पतालों, प्रसूति गृहों, स्लिमिंग सेंटर्स या बोर्डिंग स्कूलों में रोजगार के अवसर खुले हैं। सर्विस इंडस्ट्री में गृह विज्ञान स्नातकों की भारी मांग है।

शोध एवं अध्यापन

फूड साइंटिस्ट, रिसर्च एसोसिएट्स, अध्यापक व व्याख्याता के रूप में भी करियर विकल्प मौजूद हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों व कॉलेजों में अध्यापन का काम किया जा सकता है।

सेल्स एवं टेक्निकल

खाद्य उत्पादों, बेबी फूड्स, गारमेंट्स की सेल्स लाइन में भी काम मिल सकता है। इसके अलावा फूड एनालिस्ट, फूड साइंटिस्ट, डेमोंस्ट्रेटर्स के रूप में भी अवसरों की कमी नहीं है।

क्या है कमाई

गृह विज्ञान की पढ़ाई करने वाले को न्यूनतम 10,000 रुपये की नौकरी मिल सकती है। सारा दारोमदार अभ्यर्थी की व्यक्तिगत दक्षता पर है कि वह खुद को किस तरह पेश करता है। अनुभव के साथ-साथ वेतन में भी बढ़ोत्तरी होती है।

कॉरपोरेट जगत में करियर की राह
क्लैट

कॉरपोरेट जगत हो निजी कंपनी या उद्योग, इसे आगे ले जाने के लिए कानून के दांवपेच जानना जरूरी है। इसके लिए देश में जगह-जगह लॉ अधिकारी, विधि विशेषज्ञ और उसके जानकार रखे जाते हैं। लेकिन इस पेशे में आने या इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए अच्छे-खासे हुनर की भी जरूरत पड़ती है। तीन साल की एलएलबी और उच्च स्तर पर एलएलएम की डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही कानून की धाराएं और उससे जुड़े मामलों का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। इस तरह की जरूरतों को देखते हुए ही देश में जगह-जगह लॉ स्कूल और विश्वविद्यालय खोले गए हैं। इनमें दाखिले के लिए अब अलग-अलग टैस्ट देने की बजाय कैट, मैट की तर्ज पर क्लैट शुरू किया गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पहल पर तैयार किया गया कॉमन ला एडमिशन टैस्ट अब एक ही प्रवेश परीक्षा के जरिए लॉ यूनिवर्सिटीज में दाखिले का दरवाजा दिखाएगा।

टैस्ट की रूपरेखा

राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रवेश परीक्षा में 12वीं पास छात्रों के लिए दो घंटे का पेपर होगा। यह दो सौ अंकों और दो सौ सवालों से लैस होगा। इसमें अंग्रेजी कॉम्प्रिहेंशन से जुड़े सवाल 40 अंकों के, सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स के प्रश्न 50 अंकों के, गणित के प्रश्न 20 अंकों के और लॉजिकल रीजनिंग और लीगल अवेयरनेस के सवाल क्रमश- 45-45 अंकों के होंगे। अंग्रेजी कॉम्प्रिहेंशन में छात्रों की भाषा और व्याकरण की परख की जाएगी। कॉम्प्रिहेंशन पर आधारित शब्दों के अर्थ और उसके इस्तेमाल के बारे में पूछताछ की जाएगी। खाली जगहों को भरना होगा। वाक्य-विन्यास को सही करना होगा। उपयुक्त शब्दों के चयन से जुड़े सवाल होंगे। सामान्य ज्ञान या समसामयिक घटनाओं की परख के तहत पिछले एक साल से मीडिया में चर्चित घटनाओं और उनसे जुड़े प्रसंगों के बारे में ज्ञान की परख की जाएगी। गणित एलिमेंटरी स्तर का होगा, यानी खासकर दसवीं स्तर तक। लीगल एप्टीट्यूड और लीगल अवेयरनेस में छात्रों से लीगल तर्क की समझ की परख की जाएगी। इसमें ज्ञान की बजाय उनकी व्यावहारिक या आधारभूत समझ को देखा जाएगा। दो वर्षीय एलएलएम में दाखिला पाने के इच्छुक स्नातक पास छात्रों का भी दो घंटे का और दो सौ अंकों का पेपर होगा। इनमें लॉ ऑफ कांट्रेक्ट, लॉ ऑफ टार्ट्स, क्रिमिनल लॉ, संवैधानिक लॉ और लीगल थ्योरी के क्षेत्र से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। इसमें प्रश्नों की संख्या 102 होगी। दो सवाल विवरणात्मक या निबंध की तरह के होंगे। इसके लिए 50-50 अंक निर्धारित हैं। अन्य सभी वस्तुनिष्ठ 100 सवाल एक एक अंक के निर्धारित हैं। दाखिला पाने के बाद छात्रों को पांच साल के कोर्स में स्नातक से जुड़े विषय और कानूनी पहलू से जुड़े पेपर के बारे में विशेष रूप से बताया जाएगा। इसे करने के बाद छात्रों को अलग से स्नातक करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें एलएलबी और स्नातक, दोनों की डिग्री शामिल है।

दाखिले की योग्यता

पांच वर्षीय एलएलबी में 12वीं पास छात्रों को आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस में 50 फीसदी अंकों के साथ उतीर्ण होना अनिवार्य है। इसी तरह दो वर्षीय एलएलएम में एलएलबी 55 फीसदी अंकों के साथ उतीर्ण होना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम अंक में 5 फीसदी की छूट है।

कहां मिलेगा दाखिला

टैस्ट में सफल होने वाले छात्रों को देश की 11 लॉ यूनिवर्सिटीज में दाखिला लेने का मौका मिलेगा। इनमें नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू, नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट भोपाल, वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी गांधीनगर, राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटियाला, चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस लीगल स्टडीज, कोच्चि शामिल हैं।

तीन बड़े विदेशी खिलाड़ियों को बाहर करेगी आरसीबी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम नये रुप में नजर आ सकती है। आरसीबी से तीन बड़े विदेशी खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। ये तीन खिलाड़ी हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसिस, ऑलरांउडर कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल। इन तीनो का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल 2025 सत्र के लिए इस साल के अंत में नीलामी होगी। आरसीबी आज तक खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में अब उसका लक्ष्य नये खिलाड़ियों को शामिल करना रहेगा। ग्लेन मैक्सवेल : मैक्सवेल को पिछले सत्र में 12.25 करोड़ रुपये में खरीदा गया था पर उन्होंने पूरे सत्र में केवल 52 रन ही बनाए थे। वहीं गेंदबाजी के दौरान केवल 6 विकेट लिए। वह अंतिम ग्यारह मे अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। फॉफ डुप्लेसिस : टीम इस बार मेगा नीलामी से पहले डुप्लेसिस को भी बार कर सकती है। आरसीबी ने फाफ डुप्लेसिस को आईपीएल मेगा नीलामी में 7 करोड़ रुपये में शामिल किया था। उन्होंने पिछले सत्र में टीम की कप्तानी की थी। डुप्लेसिस अब 40 की उम्र के करीब पहुंव गये हैं और ऐसे में उनकी जगह भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कप्तानी मिल सकती है। कैमरन ग्रीन : कैमरन ग्रीन को आरसीबी ने मुंबई इंडियंस से 17.5 करोड़ रुपये में आईपीएल 2024 के लिए शामिल किया किया था पर वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। वह 31 की औसत से 255 रन ही बना पाये बनाए। गेंदबाजी के दौरान भी वह केवल 10 विकेट ही ले पाये जबकि टीम को उनसे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें थीं।

भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की रेस में सबसे आगे

मुम्बई। भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की रेस में सबसे आगे है और उसके खिताबी मुकाबले में पहुंचने की पूरी उम्मीदें हैं। इसका कारण है कि अंक तालिका में भारतीय टीम शीर्ष पर बनी हुई है। बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम पहला टेस्ट जीत गयी है अगर वह ये सीरीज जीत जाती है तो नंबर एक स्थान पर उसकी दावेदारी और पक्की हो जाएगी।टीम इंडिया की डब्ल्यूटीसी की पॉइंट्स प्रतिशत 71.66 तक बढ़ गई है, जिसमें 10 टेस्ट में 86 अंक हैं। वह पहले से ही तालिका में शीर्ष पर मौजूद थी और अब उसने ऑस्ट्रेलिया से 9.16 प्रतिशत की बढ़त बना ली है।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भारत और इंग्लैंड सीरीज से पहले खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। टेस्ट मैचों की ये सीरीज जून से अगस्त के बीच खेली जाएगी। इसका पहला मैच 20 जून से होगा। वहीं अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से शुरू होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड के पिछले दौरे में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य जीतना रहेगा। भारत ने 2021 में इंग्लैंड दौरे पर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर तब कोरोना संक्रमकण के चलते सीरीज बीच में रोक दी गयी थी। बाद में सीरीज का बाकी बचा एकमात्र मैच खेला गया, जिसे इंग्लैंड ने जीता। इस तरह सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। इस बार सीरीज 4 अगस्त को खत्म होगी। सीरीज का पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा. दूसरा मैच बर्मिंघम और तीसरा मैच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। सीरीज का चौथा मैच मैनचेस्टर और पांचवां मैच 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा।

अश्विन ने वार्न के रिकार्ड की बराबरी की

दिग्गज खिलाड़ी के क्लब में जगह बनायी

चेन्नई। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ हुए पहले टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी के साथ ही दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न के एक रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है। अश्विन ने इस मैच में शतक लगाने के साथ ही दूसरी पारी में छह विकेट लिए थे। इसी के साथ ही उन्होंने 37वीं बार पांच से अधिक विकेट लेने के वार्न के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है। अश्विन अब सबसे अधिक उम्र में पांच विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी गए हैं। इससे पहले पारी में शतक के साथ ही पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में पूर्व दिग्गज इयान बॉथम, गैरी सोबर्स, मुश्ताक मोहम्मद, जैक्स कैलिस के अलावा वर्तमान में खेल रहे शाकिब अल हसन, रवींद्र जाडेजा हैं। अश्विन कहा, 'मैं जब भी चेन्नई में आकर खेलता हूं तो यहां मुझे बेहद अच्छा लगता है। मैंने यहां काफी क्रिकेट देखा और खेला है। मैंने पहले दिन अच्छी बल्लेबाजी की और इसके बाद दूसरी पारी में विकेट लिए यह एक विशेष अनुभव है। मैं गेंदबाज होने के कारण उसी तरह सोचता हूं पर बल्लेबाजी के दौरान उसपर ध्यान रखता हूं।

इस बार ऑस्ट्रेलिया के बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की संभावना : ग्रीन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2014-15 के बाद पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की उम्मीद कर रही है। इसका कारण है कि टीम की तैयारियां अच्छी हैं। ग्रीन भी इसमें अपनी ओर से अधिक से अधिक योगदान देना चाहते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित हैं और अब उनका लक्ष्य इसी प्रकार का प्रदर्शन भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में करना रहेगा। भारतीय टीम के हाथों पिछले एक दशक में उसे हर बार इस सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ग्रीन ने कहा, ' मैं इस सीरीज में जितना संभव हो उतना अधिक योगदान देना चाहता हूं। मैं ऐसा करने के लिए शारीरिक रूप से वास्तव में बहुत अच्छी स्थिति में हूं। इस ऑलराउंडर ने कहा, 'मैं और मिचेल मार्श हमेशा इस बात को लेकर बात करते हैं कि 70वें और 80वें ओवर के बीच जब गेंद कुछ नहीं कर रही होती है तो उन ओवरों में कौन गेंदबाजी करेगा। ऐसे में हम इन ओवरों में गेंदबाजी के लिए तैयार हैं। ग्रीन ने कहा, 'अभी मैं शारीरिक रूप से बहुत अच्छी स्थिति में हूं और मुझे लगता है कि मैं गेंदबाजी में अपना योगदान दे सकता हूं। अभी मैं एक अदद ऑलराउंडर बनकर खुश हूं।

शाकिब के बचाव में उतरे कप्तान नजमुल

चेन्नई। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंड शाकिब अल हसन आजकल लय में नहीं है। भारतीय टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भी वह प्रभावहीन नजर आये। शाकिब ने पहले टेस्ट में एक ही विकेट लिया और 129 रन लुटा दिये। यह पहली बार है जब वह टेस्ट की दोनों पारियों में इतने रन देने के बाद भी असफल रहे। यह पांचवीं बार है जब वह किसी टेस्ट मैच में 20 ओवर गेंदबाजी करने के बाद भी वह विकेट नहीं ले पाà। टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो उनके बचाव में सामने आये। उन्होंने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर मैं खिलाड़ी की मेहनत का आकलन करता हूं। मेरा मानना है कि शाकिब अपनी फॉर्म में वापसी के लिए काफी प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि वह वापसी के लिए पर्याप्त संघर्ष कर रहे हैं। टीम के प्रति वह अपनी ओर से बेहतर भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने मैच की पहली पारी में शाकिब से ज्यादा गेंदबाजी नहीं कराने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उस समय तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। उन्होंने कहा, 'हमारे तीनों तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन को देखते हुए मुझे पहली पारी में उनकी ज्यादा जरूरत महसूस नहीं हुई। तब तेज गेंदबाजों का अधिक इस्तेमाल करने की योजना मेरी थी। वहीं पूर्व भारतीय स्पिन मुरली कार्तिक का कहना था कि अपनी गेंदबाजी वाली अंगुली की सर्जरी के कारण शाकिब सहज तरीके से गेंदबाजी नहीं कर पाये। भारत में खेले गये एकदिवसीय विश्व कप के दौरान शाकिब की तर्जनी अंगुली चोटिल हो गयी थी जिसकी बाद में सर्जरी हुई। शंटो ने उम्मीद जताई कि टीम 27 सितंबर से कानपुर में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में शाकिब के साथ ही उनकी टीम भी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

व्यापार

शेयर बाजार की रिकॉर्ड स्तर पर शुरुआत

सेंसेक्स 84,695 और निफ्टी 25,875 पर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर शुरुआत की। दुनियाभर के निवेशक इस बात पर नजर रख रहे हैं कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बड़ी दर कटौती से आई तेजी कब तक बनी रहेगी। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 151 अंक बढ़कर 84,695 पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी 50 में 84 अंकों की बढ़त, यानी 0.33% की तेजी के साथ 25,875 पर कारोबार कर रहा था। वहीं फ्रंटलाइन बैंक शेयरों में तेजी और वैश्विक बाजार से मिल रहे पॉजिटव रुझानों के बीच भारतीय शेयर बाजार में बीते शुक्रवार को तूफानी तेजी देखने को मिली। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50 शुक्रवार को 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त लेकर ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गए। सेंसेक्स पहली बार 84, 000 के मील के पत्थर के पार निकल गया। वहीं निफ्टी भी रिकॉर्ड 25,800 के लेवल के करीब पहुंच गया है। बीएसई सेंसेक्स 1359.51 अंक की तूफानी बढ़त लेकर 84,544.31 के ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ। वहीं दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 375.15 अंक या 1.48 प्रतिशत की मजबूत बढ़कर लेकर 25,790.95 के नए शिखर पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में से सिर्फ 6 शेयर नुकसान में थे। इन शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, इंफोसिस, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक शामिल थे। वहीं भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा स्टील शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल हुए। निफ्टी 50 में इंडसइंड बैंक ही नुकसान में था, जबकि टाटा स्टील, अपोलो हॉस्पिटल्स, बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील और नेस्ले इंडिया ने सबसे ज्यादा बढ़त दिखाई। सेक्टोरल इंडेक्स में फार्मा सबसे आगे रहा, जिसमें 1.02 प्रतिशत की बढ़त हुई। इसके बाद निफ्टी ऑटो 0.87 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 0.85 प्रतिशत बढ़े। एशिया-प्रशांत के बाजारों में सोमवार को धीमी शुरुआत देखी गई, क्योंकि क्षेत्र के निवेशक शुक्रवार को चीन और जापान द्वारा किए गए ब्याज दरों के फैसलों को समझने में लगे रहे। इससे पहले, यूएस फेड की तेज ब्याज दर कटौती ने पिछले हफ्ते बाजारों को मजबूती दी थी। सोमवार को जापान के बाजार एक सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद है, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुला। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 18,199 के स्तर पर दिखे, जो एचएसआई के पिछले बंद स्तर 18,258.57 से नीचे है। चीन के सीएसआई 300 फ्यूचर्स 3,183.8 के स्तर पर थे, जो उनके पिछले बंद स्तर 3,201.05 से कम है।

आलू और प्याज की कीमतें बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली। आलू-प्याज के उत्पादन को लेकर एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिससे फिर से रसोई का खर्च बढ़ले की संभावना है। 2023-24 में भारत का बागवानी उत्पादन मामूली 0.65 फीसदी घटकर 353.19 मिलियन टन होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जून में जारी 2023-24 के दूसरे एडवांस अनुमान में बागवानी फसलों का कुल उत्पादन 352.23 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया था। प्रमुख क्षेत्रों में कम पैदावार के कारण प्याज और आलू का उत्पादन 242.44 लाख टन और 570.49 लाख टन होने की उम्मीद है। अन्य सब्जियां जैसे बैंगन, रतालू और शिमला मिर्च का उत्पादन भी कम हो सकता है, जिससे इनकी कीमतों को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यह खाद्य महंगाई को प्रभावित कर सकता है। भारत में अगस्त में खुदरा महंगाई 3.65 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 3.6 फीसदी थी। कुल सब्जियों का उत्पादन 205.80 लाख टन होने की उम्मीद है। अनुमानों से पता चला है कि टमाटर, पत्तागोभी, फूलगोभी, टैपिओका, लौकी, कद्दू, गाजर, खीरे, करेला, परवल और भिंडी के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की कीमत वृद्धि के कारण टमाटर का उत्पादन 4.38 फीसदी बढ़कर 21.32 मिलियन टन हो गया है। रसोई में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतें पिछले साल आसमान छूकर 250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं, जिससे किसानों को ऊंची बाजार कीमतों का फायदा उठाने की उम्मीद में खेती बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। टमाटर के उत्पादन में वृद्धि से भोजन की लागत कम करने में मदद मिली है, शाकाहारी थाली में साल-दर-साल 8 फीसदी और मांसाहारी भोजन में 12 फीसदी की कमी आई है। फलों का उत्पादनआम, केले और अन्य फलों के कारण फलों का उत्पादन 2.29 फीसदी बढ़कर 112.73 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है।

सोना हुआ महंगा, चांदी के लुढ़के भाव

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई लेकिन बाद में चांदी के भाव में गिरावट देखी जाने लगी। सोमवार को सोने के वायदा भाव 74,300 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव में तेजी, चांदी के भाव में नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 165 रुपये की तेजी के साथ 74,205 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 240 रुपये की तेजी के साथ 74,280 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 42 रुपये की तेजी के साथ 90,177 रुपये पर खुला। इस समय यह 61 रुपये की गिरावट के साथ 90,074 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव गिर गए। सोना पिछले बंद भाव पर ही खुला। कॉमेक्स पर सोना 2,646.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,646.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 7.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,654.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.53 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.50 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 31.42 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया छह पैसे मजबूत होकर 83.46 डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 83.46 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और प्रमुख विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.44 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.49 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया। हालांकि फिर वापसी करता हुआ 84.46 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद स्तर से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़त के साथ 100.49 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75.04 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

विमानन मनोविज्ञान के लिए औपचारिक कार्यक्रमों का अभाव है: नायडू

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने विमान परिचालन की सुरक्षा के लिए विमानन मनोविज्ञान क्षेत्र के साथ-साथ तनाव तथा थकान से निपटने के लिए मजबूत प्रणालियों की आवश्यकता पर सोमवार को जोर दिया। उन्होंने पायलट सहित अन्य के लिए तनाव तथा थकान से निपटने के लिए मजबूत कार्यक्रमों की भी वकालत की। नायडू ने कहा कि विमानन मनोविज्ञान के लिए औपचारिक कार्यक्रमों का अभाव है। उन्नत मनोवैज्ञानिक पहलुओं को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है, क्योंकि मानवीय कारक भी विमान दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं। मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा विमान दुर्घटनाओं में मानवीय कारक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में यह टिप्पणी की। नायडू ने कहा कि सुरक्षा उपायों को भारतीय विमानन क्षेत्र की तीव्र वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखना होगा। उन्होंने लोगों को निरंतर कौशल प्रदान करने तथा उनका कौशल बढ़ाने का आह्वान किया।

अभिनेत्री अलाया एफ को डिटॉक्स फूड बहुत पसंद

बॉलीवुड अभिनेत्री अलाया एफ ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनसे ऐसा लगता है कि वह फिलहाल डिटॉक्स डाइट पर हैं। इंस्टाग्राम पर अलाया के 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज में दो फोटो शेयर की हैं। दोनों तस्वीरों में खाने की अलग-अलग डिश देखने को मिल रही है। यह 2020 की बात है, जब पूर्व अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी अलाया ने पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म जवानी जानेमन से अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने एक 21 वर्षीय लड़की की भूमिका निभाई, जो 40 वर्षीय व्यक्ति को अपना पिता बताती है, जिसे शादी से नफरत है। इसके बाद उन्हें पहली बार कार्तिक आर्यन के साथ 2022 की फिल्म फ्रेडी में देखा गया था। जिसमें उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था। जिसमें उनका पति उनके साथ मारपीट करता है। हालांकि, कहानी में नया मोड़ आता है, जब वह कार्तिन आर्यन को अपने प्रेम में फंसाकर अपने पति की हत्या करवा देती है। 2023 में, वह करण मेहता के साथ ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत में थीं। इसके बाद उन्होंने अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, मानुषी छिल्लर और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों में काम किया। अलाया, राजकुमार राव के साथ श्रीकांत में शामिल थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें अभिनेता बाबिल खान के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया था, जिससे उनके संभावित नए प्रोजेक्ट या उनके बीच रिश्ते के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं। वीडियो में अलाया ने काले रंग का स्लीवलेस टॉप पहना हुआ था और इसे मैचिंग जींस के साथ पेयर किया था। दोनों ने कैमरे के सामने अपनी मुस्कान बिखेरी। दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल को आखिरी बार वेब सीरीज द रेलवे मेन : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ भोपाल 1984 में देखा गया था। इसमें आर माधवन, केके मेनन और दिव्येंदु भी हैं। बाबिल क़ला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी परियोजनाओं का भी हिस्सा रहे हैं। वह अगली बार द उमेश क्रॉनिकल्स में नजऱ आएंगे।

एक्शन-हल्क बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास की बीएसएस12 से संयुक्ता का फ़र्स्ट-लुक पोस्टर आउट

एक्शन-हल्क बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास की 12वीं फिल्म बीएसएस12, इंडस्ट्री में उनके एक दशक पूरे होने का प्रतीक है और यह उनकी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना होने का वादा करती है। लुधीर बायरेड्डी द्वारा निर्देशित और मूनशाइन पिक्चर्स के तहत महेश चंदू द्वारा निर्मित, यह रहस्यमय थ्रिलर उच्च बजट और बेहतरीन तकनीकी मानकों का दावा करती है। फिल्म के घोषणा पोस्टर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, और नवीनतम फर्स्ट-लुक पोस्टर में संयुक्ता के किरदार समीरा को एक महत्वपूर्ण भूमिका में पेश किया गया है। संयुक्ता के किरदार के पोस्टर में उन्हें एक परिष्कृत रूप और गंभीर नजऱ के साथ दिखाया गया है, जो कांच की अलमारियों पर रहस्यमय संरचनाओं से घिरा हुआ है। उनकी भूमिका फिल्म की कहानी के लिए महत्वपूर्ण है, जो 400 साल पुराने दशावतार मंदिर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास को पहले कभी न देखे गए अवतार में भी दिखाया गया है, जो एक रोमांचक अनुभव का वादा करता है। बीएसएस12 के तकनीकी दल में सिनेमेटोग्राफर के रूप में शिवेंद्र, संगीतकार के रूप में लियोन जेम्स, संपादक के रूप में कार्तिका श्रीनिवास आर और कला निर्देशक के रूप में श्रीनागेंद्र तंगला जैसे अनुभवी पेशेवर शामिल हैं। प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, यह पैन इंडिया फिल्म बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास के करियर में एक मील का पत्थर साबित होने वाली है। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ेगी, प्रशंसक बीएसएस12 की दुनिया में और अधिक अपडेट और झलकियाँ देखने की उम्मीद कर सकते हैं। शिवेन रामकृष्ण द्वारा प्रस्तुत और मूनशाइन पिक्चर्स के तहत महेश चंदू द्वारा निर्मित इस रोमांचक परियोजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए बने रहें।

एसएसएमबी 29 के शीर्षक से उठा पर्दा?

महेश बाबू-राजामौली की फिल्म के नाम पर टीम ने दिया मजेदार अपडे

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली एसएसएमबी 29 के जरिए पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर दर्शक लगातार नई जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के नाम को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर प्रशंसक अपडेट मांग रहे हैं। ऐसे में अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। एसएसएमबी वहीं अब फिल्म के नाम की चर्चा तेज हो गई है। भले ही निर्माताओं ने अभी तक फिल्म पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन एसएसएमबी 29 की स्टार कास्ट और क्रू के बारे में कुछ दिलचस्प अटकलें काफी समय से चल रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि अब अफवाहों का बाजार गर्म है कि प्रोजेक्ट का आधिकारिक शीर्षक लगभग तय हो गया है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि एसएस राजामौली ने अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म का शीर्षक तय कर लिया है, जो महेश बाबू के साथ उनका पहला ऑनस्क्रीन सहयोग है। भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं। भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं। अब सोशल मीडिया पर अटकलें हैं कि महेश बाबू अभिनीत यह फिल्म भी वही प्रोजेक्ट हो सकती है और इसका नाम गरुड़ हो सकता है। इस बीच कुछ यूजर्स यह भी दावा कर रहे हैं कि एसएस राजामौली निर्देशित इस फिल्म में पौराणिक और काल्पनिक चीजें भी शामिल हो सकते हैं, जो गरुड़ से जुड़े हैं, जिसे भगवान विष्णु का वाहन माना जाता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर इस बारे में खबरें चल रही हैं, लेकिन एसएसएमबी 29 की टीम ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बी हैप्पी से अभिषेक बच्चन की पहली झलक जारी, सिंगल फादर बनकर बेटी की हर ख्वाहिश पूरी करेंगे अभिनेता

काफी समय से खबर आ रही थी कि अभिषेक बच्चन और रेमो डिसूजा बी हैप्पी नाम की एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। चर्चा थी कि फिल्म में अभिषेक एक बेटी के पिता का किरदार निभाने वाले हैं।फिल्म से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आई थीं, लेकिन न तो निर्माता-निर्देशक और ना ही अभिषेक ने इसकी पुष्टि की थी।अब आखिरकार फिल्म का ऐलान हो गया है और इससे अभिषेक की पहली झलक भी सामने आ गई है। बता दें कि अभिषेक की यह फिल्म सीधे अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म में अभिषेक के साथ बाल कलाकार इनायत वर्मा नजर आएंगी, जो फिल्म के पहले पोस्टर में अभिषेक के साथ दिख रही हैं।फिल्म में अभिषेक अकेले अपने बेटी की परवरिश करते दिखेंगे, क्योंकि वह इसमें सिंगल फादर की भूमिका निभा रहे हैं।यह एक अकेले पिता और उसकी समझदार बेटी की अनूठी और दिल को छू लेने वाली यात्रा पर आधारित है। यह एक डांस ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें अभिषेक के किरदार का नाम शिव रस्तोगी होगा। वह इसमें एक ऐसे पिता बने हैं, जो अपनी बेटी की ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहता है।फिल्म की कहानी दर्शकों को खुश करने के साथ-साथ उन्हें भावुक कर देगी। एक अकेला पिता अपनी बेटी के सपने पूरे करने के लिए क्या कुछ करता है, फिल्म में उनकी इसी यात्रा को दिखाया जाएगा। इस फिल्म में अभिषेक के अलावा अभिनेत्री नोरा फतेही भी एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं, वहीं जॉनी लीवर और हरलीन सेठी भी इसमें महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखेंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान रेमो ने संभाली है और इसके प्रोडक्शन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है।बताया जा रहा है कि रेमो जल्द ही बाप-बेटी की एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान नहीं हुआ है। इनायत और अभिषेक दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों 2020 में आई फिल्म लूडो में साथ दिखे थे। अब 4 साल बाद अभिषेक और इनायत फिर साथ आ रहे हैं।फिल्म के पोस्टर ने दर्शकों की उत्सकुता बढ़ा दी है। दोनों एक डांस प्रस्तुति के लिए तैयार दिख रहे हैं।बता दें कि यह वही फिल्म है, जिसका नाम रेमो ने पहले डांसिंग डैड रखा था और सलमान खान फिल्म में काम करने वाले थे।

थाई स्लिट गाउन पहन नताशा स्तांकोविक ने लगाया ग्लैमर का तड़का

हॉट फोटोज देखकर मदहोश हुए फैंस

एक्ट्रेस और मॉडल नताशा स्तांकोविक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े हर एक अपडेट्स फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। बता दें कि नताशा स्तांकोविक और भारतीय ऑलराउंडर क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने इस साल जुलाई में एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद एक्ट्रेस अपने बेटे अगस्तय को लेकर सर्बिया चली गई थीं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वो बेहद ही शानदार लग रहे हैं। नताशा स्तांकोविक ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और ग्लैमरस अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। इन तस्वीरों में भी उनका ऐसा ही अंदाज देखने को मिल रहा है। नताशा स्तांकोविक ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान सिल्वर कलर का मिरर वर्क लुक में रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज में फोटोज क्लिक करवा रही हैं। खुले बाल, न्यूज शेड लिप्सटिक और लाइट मेकअप कर के मॉडल नताशा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि नताशा अपने हर एक लुक से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाता है।<एक्ट्रेस आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर इंटरनेट पर छाई हुई रहती हैं। उनका लेटेस्ट लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।

सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म युध्रा की बॉक्स ऑफिस पर बढिय़ा शुरुआत

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी पिछले काफी समय से एक्शन थ्रिलर फिल्म युध्रा को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बीते शुक्रवार यानी 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। हालांकि, इसे दर्शकों और समीक्षकों से कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली।अब फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। इसने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से ज्यादा रकम बटोरी है।आइए जानते है स्त्री 2 के आतंक के बीच युध्रा ने क्या कमाल किया। सैकनिल्क के मुताबिक, युध्रा ने पहले दिन 4.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इस कारोबार के साथ फिल्म ने करण जौहर की एक्शन फिल्म किल को शिकस्त दे दी है। किल ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कुल 1.25 करोड़ रुपये

कमाए थे, जो कि युध्रा से काफी कम हैं।युध्रा को नेशनल सिनेमा डे पर रिलीज होने का भी फायदा मिला है। दरअसल इस खास मौके पर सभी फिल्मों के टिकट की कीमत 99 रुपये रखी गई थी। युध्रा ने पहले दिन किल के अलावा हाल-फिलहाल में आईं कई फिल्मों के कारोबार को मात दी है।इस फिल्म ने जिन फिल्मों के पहले दिन के कलेक्शन को पछाड़ा है, उनमें साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (1.85 करोड़), अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था (1.85 करोड़), जाह्नवी कपूर की उलझ (1.15 करोड़), अक्षय कुमार की सरफिरा (2.50 करोड़) और दिनेश विजान कीमुंज्या (4 करोड़) जैसी फिल्में शामिल हैं। युध्रा एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन रवि उदयावर ने किया है, जिन्होंने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म मॉम का निर्देशन किया था।इस फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में मालविका मोहनन और राघव जुयाल भी हैं।इसमें राम कपूर, शिल्पा शुक्ला, गजराज राव और राज अर्जुन भी अहम भूमिकाओं में हैं।इस फिल्म की कहानी से कहीं ज्यादा इसमें सिद्धांत और मालविका की जोड़ी की तारीफ हो रही है। उधर करीना कपूर ने अपनी किसी फिल्म का इतना बुरा हाल पूरे करियर में कभी नहीं देखा होगा, जितना द बकिंघम मर्डर्स का देखा है।सवा करोड़ रुपये की ओपनिंग करने वाली इस फिल्म की कमाई तीसरे दिन 2.15 करोड़ तक पहुंची जरूर थी, लेकिन इसके बाद से यह लगातार घट रही है। चौथे दिन से ही फिल्म लाखों में सिमट गई थी।40 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म का कुल कलेक्शन 8 करोड़ रुपये हुआ है।